

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 33

नई बिल्ली, शनिवार, श्रगस्त 15, 1970/श्रावए। 24, 1892

No. 33]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 15, 1970/SRAVANA 24, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या बी जाती है जिससे कि यह श्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय कों छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों ग्रीर (संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्त्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के ग्रन्तर्गत बनाये ग्रीर जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के ग्रादेश, उप-नियम ग्रादि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 23rd July 1970

G.S.R. 1155.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Special Officer (Book Promotion) in the Ministry of Education and Youth Services, namely:—

- 1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Education and Youth Services (Special Officer Book Promotion) Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply for the post specified in column 1 of the Schedule annexed thereto.

- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid;

Provided that the maximum age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of persons belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

- 5. **Disqualification.**—(1) No person, who has more than one wife living or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the lifetime of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post;
- (2) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any persons from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

SCHE Name of Post No. of Classi-Scale of Whether Age for Educational and other Pay Selection qualifications required for posts, fication direct recruits direct recruits post or non-Selection post 6 1 3 4 5 40 years Essential:-Rs. 900- Not ap-Special Officer One General (Book Promo-Central plicable and below (i) Master's Degree of 50--a recognised University tion) Service 1250 (Relaxaor equivalent. Class I ble for Govern-Gazetted (ii) About years experience Nonment of book Ministerial servants.) publishing including editing, production, distribution sale and publications in a of Government or semi-Organi-Government or in a pubsation house lishing of standing.

DULE

Period

Method of

Whether age and educational qualiwhat is its comof Prorectt, whether tion/deputation transfer, fleations prescribed bation by direct rectt. grades from which proposition. or by promotion or by deputation/ for direct recruits if any. motion/deputation transfer will apply in the to be made transfer, grades and percent ago tecs of the vacancies to be filled by various methods 8 9 ΙO Ιľ 12 Transfer on deputation Not applicable TwoBy transfer on Not applicable Years: deputation including short term (including contract short-term Class I officers holding contract) posts in the scale of Rs. 700—900 or 700—1250 under the Central or failing which by direct recruitment. State Governments or officers of autonomous organisations fully financed by Government or of Public Sector undertakings working

In case of rectt, by promo-

If a DPC exists,

2768 THE	GAZETTE	OF	INDIA:	AUGUSI	15,	1970/SRAVA	NA 24,	1892	[PART II—
1	2,	3		4 5		6		7	
							eretio candio	Commi on in	ission's dis- case of otherwise
							Desira'le	s:—	
							proble and Text	ems of distri Books al pul	with the production bution of sand edu- blications in
							fernci.	erience ng ar ical wo	
							lished	ookin.	or pub- contribution dustry and

8 9 10 11

in the scale of Rs. 700—900 or holding posts similar or equivalent to that of the Special Officer, and possessing the qualifications and experience prescribed in col. 7.

(Period of deputation/ Short-term contract ordinarily [not exceeding 3 years.)

[No. F. 5-2/69-E-1.]

12

K. S. AHLUWALIA, Under Secy.

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रावय

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1970

जी • एस • धार • 1155 . संविधान के अनु कछे व 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त प्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में विशेष अधिकारी (पुस्तक प्रोत्साहन) के पद पर भर्ती की पद्धति के नियमन के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त शीर्षक तथा प्रारम्भ (1) .— इन नियम को शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय (विशेष प्रधिकारी, पुस्तक प्रोत्साहन) भर्ती नियम 1970 कहा जाए ।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके छपने की तारीख से लागू होंगे।
- लागू होना .—ये नियम, इस घिधसूचना के साथ संलग्न भनुसूची के कालम 1 में विणत पद पर लागू होंगे ।
- 3. पहों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमात .— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण क्रीर उसके वेतनमान का उल्लेख उक्त श्रनुसूची के कालम 2 से 4 में किया जाएगा।
- 4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा तथा अन्य भोग्यताएं .—-उक्त पद पर भर्ती के लिए पद्धति, आयु सीमा, योग्यताएं तथा अन्य संबंधित मामलों का उल्लेख उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में किया जाएगाः

बगर्ते कि उक्त प्रनुसूची में उल्लिखित घायु सीमा में, समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए ग्रादेशों, के प्रनुसार धनुसूचित जातियों, श्रनुसूचित जन जातियों तथा प्रन्थ विशेष वर्गों के उम्मीदवारों के मामले में छूट दी जा सकती है।

- 5. श्रयोध्यताएं.—(क) कोई भी व्यक्ति, जिसकी एक प्रिष्ठिक जीवित पत्नी हो भ्रयवा जो पत्नी के जीवित रहते हुए, किसी भी स्थिति में थादी करता है जिसके भ्रयतं एसी पत्नी के जीवन काल के दौरान होने के कारण ऐसी शादी भ्रवैश्व हो, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए भारत नहीं होगा; भौर
- (ख) कोई भी स्त्री, जिसकी शादी इसलिए श्रवैध हो कि ऐसी शादी के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी श्रथवा जिसने, ऐसे व्यक्ति से शादी की हो जिसकी पत्नी ऐसी शादी के समय जीवित थी, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगी:

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसे मादेश देने के लिए विशेष माधार विद्यमान हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट देसकती है। 6. क्टूट दने का धाषिकार. — जिस मामले में केन्द्रीय सरकार यह समझे कि ऐसा करना आवश्यक धार्यना उपयोगी है, तो वह एक आदेश के जरिए, लिखित में कारण बता कर भीर संघ लोक सेवा धार्योग से परामर्श करके, किसी भी श्रेणी धायवा वर्ग के व्यक्तियों भ्रथवा पत्रों के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में छूट दे सकती है।

श्रनु

पद का नाम पदों वर्गीकरण की संख्या

वेसन मान

क्या संवरण पद है ग्रथवा गैर संवरण

पद

सीघी भर्ती के सीघी भर्ती के लिए लिए भ्राय्

श्रपेक्षित योग्यताएं

4 5 6 7 2 3 1

विशेष श्रधि- एक कारी (पुस्तक प्रोत्साहन)

लागू महीं सामान्य 900-केम्ब्रीय सेवा होता **50**— श्रेणी--1 गैर-1250 सचिवालयीय Ţο

उससे कम

(सरकारी कर्मेषारियों

के लिए किचिलनीय)

40 वर्षं भीर । अभिकार्सः

(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय प्रयुवा उसके समकक्ष से मास्टर डिग्री । (ii) किसी सरकारी ग्रथवा ग्रधंसरकारी संगठन प्रथमा प्रति-ष्ठित प्रकाशन गृह में पुस्तक प्रकाशन का, जिसमें सम्पादन, निर्माण बिकी सथा वितरण सम्मिलितः है, लगभग 7 वर्ष का धनुभव।

(भ्रन्यथा उच्च ग्रहंता **प्रभ्य**थियों प्राप्त के मामले में ग्रहतायें भाषोग के विवेका-नुसार शिथिलनीय हैं) सूची

लिए जो ग्रायुकी अवधि पदोन्नति ग्रथवा म्रोर गैक्षिक योग्यताएं हो निर्धारित की गई हैं क्या वे पदोन्नति/ प्रतिनिय्क्ति तथा स्थानांतरित व्यक्तियों पर भी लाग होंगी

यदि कोई प्रति नियक्ति/ी तबादला से भर्ती की पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त स्थानों की प्रति-शतता

परिवीक्षा ेसीधी भर्ती श्रथवा पवोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ यदि तबादले के मामले में जिन विभागीय जिनके प्रधीन भर्ती ग्रेडों से पदोन्नति/प्रति-नियुक्ति/तबादला किया समिति जाना है, उनके नाम हो तो उसकी संरचना

परिस्थितियां पदोन्नति करने में संधीय लौक सेवा श्रायोग से विचार विनिमय किया जाना है

8

9

वो वर्ष

10

11

12

क्या है

13

लागू नहीं होता

प्रतिनियुक्ति पर तवादले दारा, (जिसमें घ्रल्पका-लिक ठेका सम्मि-लित है) जिसके न होने पर सीधी

भर्ती द्वारा।

प्रतिनियुष्टित पर सब। बले लागु नहीं जैसा कि से जिनमें ग्रह्यका लिक होता ठेका सभ्मिलित हैं। केन्द्रीय प्रयक्त राज्य सरकारों के प्रधीन 700-900 ₹◦ मथवा 700-1250 र० के वेतनमान में कार्य कर रहेम्रधिकारी ग्रयवा स्वायस संगठनी, जिन्हें पूर्णतयः सरकार द्वारा विस्तीय सहायता दी जाती हो, के प्रधिकारी ग्रथवा पहिलक सेक्टर श्रंडस्टेकिंग के प्रधि-कारी जो 700-900 रु० के वेतन मान में ग्रथवा तवनुरूप ग्रयवा विशोष ग्रधिकारी के समकक्ष पदों पर ग्रथवा कालम-7 में निर्धारित मनुभव को पूरा करते हों ।

लोक सेवा मायीग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के भन्तर्गत भपेक्षितः है।

2774 THE	GAZETTE	OF INDIA:	AUGUST	15, 1970/S	RAVANA ;	24, 1892 [PART JI
1	2	3	4	5	6	7
						वौद्धनीय : (i) पाठ्यपुस्तकों के निर्माण तथा वितरण की समस्याओं और भारत में शैक्षणिक प्रकाशनों का परिचय।
						(ii) संदर्भ ग्रन्थ। भौर संदर्भग्रन्थ-सूची केकार्यकाश्रमुभव।
						(iii) पुस्तक उद्योग तया व्यापार को मैक्षिक प्रथवा प्रकाशित योगवान ।

9 10

8

11

12

13

(प्रतिनियुन्ति/श्रल्प-कालीन ठेके की ग्रवधि साधारणतया 3 वर्षे से ग्रधिक नहीं होगी)।

[सं० एफ० 5-2/69 ई०-1]

के० एस० भ्रहलुवालिया, भ्रवर सचिव।

MINISTRY OF LAW (Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 22nd July 1970

G.S.R. 1156.—In exercise of the powers conferred by rules 1 and 2 of order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Law (Department of Legal Affairs) No. G.S.R. 271 dated the 21st February, 1967, namely:—

In the said Notification, for the words "Under Secretary to the Government of Punjab" the words "Deputy Secretary to the Government of Punjab" shall be substituted.

[No. F.16(1)/67-J.]

DALIP SINGH, Dy. Legal Adviser.

विभि मंत्रालय

(विधि-कायं विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1970।

सा॰ का॰ ति॰ 1156.—सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 27 के नियम 1 और 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) की श्रिधिसूचना मं० सा० का० नि० 271, तारीख 21 फरवरी, 1967 में एतदद्वारा निम्नलिखित श्रिपर संशोधन करती है, श्रर्थातु :---

उत्तत म्रिधिसूचना में, "पंजाब सरकार के भ्रवर सचिव" शब्दों के स्थान पर "पंजाब सरकार के उप सचिव " शब्द प्रतिस्थापित किए जाएं।

> [सं॰ फा॰ 16(1)/67—न्या॰] दलीप सिंह, उप विधि सलाहकार।

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 10th July 1970

- G.S.R. 1157.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of liaison Officer under the Ministry of External Affairs, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of External Affairs (Liaison Officer) Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the post of Liaison Officer, Ministry of External Affairs as specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, classification thereof and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2, 3 and 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.
- 5. Disqualifications.—(1) No person who has more than one wife living or who, having a spouse living marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post.
- (2) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wifeliving at the time of such marriage, or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post.
- (3) The Central Government may, if it is satisfied that threre are sufficient grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

DLUE Ministry of I	External Af	fairs			
	Probation, if any	, cruitment whether by direct recruit-	nn-	If a DPC exists, what is its com- position	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No applicable.	Not appl cable.	i- By transfer or deputation	Transfer on deputation: Officers of Grade IV of the Indian Foreign Ser- vice (B), or officers hold- ing equivalent ex-cadre Ministerial posts in the Ministry of External Affairs, with 5 years ser- vice in the grades (Period of deputation ordinarily not to exceed 3 years).	Not appli- cable	As required under the Union Public Service Commission (exemption from consultation) Regulations, 1958.

[No. 21/PA-II/70.]

D. R. KAWATRA, Under Secy.

विवेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1970

सा० का० नि० 1157.—संविधान के प्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति इसके द्वारा विदेश मंत्रालय में सम्पर्क अधिकारी के पद पर भरती को नियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, यथा

- संक्षिण नी के है प्रारम्भ .--(1) इन नियमों को विदेश मंत्रालय (सम्पर्क अधि-कारी) भर्ती नियम, 1970 की संता दी जाएगी।
 - (2) ये राजात्र में प्रकाशित होते के दिन में लागू हो जावेंगे
- बिनिजोग .—पे नियम निदेश मंत्रालय (सन्तर्क स्रक्षिका ी) के पद पर लागू होंगे जैसा कि इस नियमों से संजयन अनसूनी के कालग 1 में निर्दिष्ट किया गया है .
- 3. **संस्था, वर्गीकरता और घातम**ार .-- -पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे ही होंगे जो कि उ≉त प्रमुखनी के कालन 2, 3 और 4 में बताए ग**़**ं हैं।
- 4. भर्ती का नरीत, मायु तीय, माईताएं प्रावि - उनत पद पर भरती का तरीका, प्रायु-सीया, प्रार्टताएं तथा तत्त्वस्थात्री प्रत्य अति यही हों तो जी उनत प्रत्यूची के 5 से 13 तक के कालमीं में अताई गई हैं।

5 श्रयोग्यताएं .--

- (।) ऐसा कोई भी व्यक्ति जिल की एक से ग्रधिक जीवित परिनयां हों अथवा जो जीवित पत्नी के रहते हुए किसी भी ऐसी सूरत में विवाह करे जिसमें यह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने के कारण प्रमावहीन हो, इन पदों पर नियुक्ति के योग्य नहीं होगा भौर
- (।।) कोई भी ऐसी स्त्री जिसका विवाह उसके पति के उस समय जीवित पत्नी होने के कारण प्रभावहीन हो ग्रथवा जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह कर लिया हो जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित हो, इन पदों पर नियुक्ति के योग्य नहीं होगी।
- (।।।) लेकिन केन्द्र सरकार यदि इस बात से भाग्वस्त हो जाए कि इस प्रकार के भ्रादेश देने के पर्याप्त श्राधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

6. **ढी न देने का ग्रक्षिकार** .— जहां केन्द्र सरकार यह समझे कि किसी श्रेणी ग्रथवा वर्ग के व्यक्तियों के ग्रथवा पदों के बारे में इन नियमों की किसी व्यवस्था में ढील देना ग्रावश्यक ग्रथवा उचित होगा वहां वह ऐसा करने के कारण लिखित रूप में दर्ज करके ग्रीर संघ लोक सेवा ग्रायोग से परामर्ण करके, ग्रादेश देकर ऐसा कर सकती हैं।

श्र (

विदेश मंत्रालय में सम्पर्क अधिकारी के पद

पदका नाभ पदों श्रेणीकरण वेतनमान प्रवरण सीधी भर्ती के लिए की पद है लिए आयु आवश्यक एवं ध्रन्य संख्या या श्रप्र- अपेक्षित श्रर्हताएं वरण पद

1 2 3 **4** 5 6 7

सम्पर्क प्रधि- एक सामान्य 80.350— लागू लागू नहीं होता कोन्द्रीय सेवा 25-575 नहीं होता श्रेणी-II होता

(राजपस्तित) मंत्रालयी ची

लागू होंगी

8

के सम्बन्ध में भर्ती के नियम

सीधी भर्ती परिवीक्षा भर्तीका तरीका वानों के लिए ग्रवधि सीधी भर्तीया **ेनधीरित** यदि कोई पदोन्नति या स्था-म्रायु तथा हो भ्रीर नान्तरण मौक्षिक प्रहें-विभिन्न तरीकों से ताएं क्या भरे जाने वाले पवोन्नति पाने रिक्त पदों के वालों पर भी प्रतिशत द्वारा

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ यवि विभागीय वे स्थितियां पदोन्नति जिनमें मंघ स्थानान्तरण द्वारा भर्ती समिति है सो की स्थिति में वे वर्ग लोक सेवा जिनसे पदोन्नति/प्रति-श्रायोग से इसका स्वरूप नियुक्ति/स्थानान्तरण क्या है भर्ती करने के किया जाता है लिए परामर्श लिया जाता है

12

होता

प्रतिनियुक्ति पर -लागू नहीं लागू होता नहीं स्थानान्तरण द्वारा होता

10

9

लागू नहीं] प्रतिनियुक्ति पर स्थाः मान्तरण: भारतीय विदेश सेवा (ख) के वर्ग 4 के प्रधि-कारी या विदेश मंद्रालय में इसके समकक्ष बाह्य संवर्गमंत्रालयी पदों पर कास करने वाले श्रिधि-कारी जिन्हें इन वर्गों में 5 वर्षका भनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि सामान्यतया तीन वर्ष से प्रधिक न हो)

11

जैसा कि संघ लोक सेवा श्रायोग (परा मर्श से छूट) नियम, 1958 के ग्रन्तर्गत श्रपेक्षित है

13

[सं 0 21/पी ए o-II/70]

डी० भार० क्याता, भवर सन्निष्।

नई दिल्ली, 6 म्रप्रैल, 1970

सा० का० नि० 717.—संविधान के श्रनच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति विदेशी व्यापार मंस्नालय के श्रधीन उप-प्रशासक (कान्डला मुक्त व्यापार जोन प्रशासन) पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, श्रथीत् :—

- 1. संक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारम्भ :—(1) ये नियम उप-प्रशासक कान्डला मुक्त व्यापार जीन प्रशासन) भर्ती नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में भ्रपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. **लागू होता.** --ये नियम इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे ।
- 3. **संख्या, वर्गी रुरए। छोर वे**.तनमान.—पद की संख्या, उनका वर्गीकरण श्रौर उसमें संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भतीं को पद्धति, भाषु सीमा मौर मन्य मह्ताएं .— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, श्रायु सीमा, श्रह्ताएं श्रौर उनसे सम्बद्ध श्रन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के,स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिदिष्ट हैं:

परन्तु श्रनुसूचित जातियों, श्रनुसूचित जन जातियों श्रौर श्रन्य विशेष व्यक्ति प्रवर्गी के किसी व्यक्ति की दशा में सीधी भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट उच्चतम श्राय-सीमा समय-समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के साधारण श्रादेशों के श्रनुसार शिथिल की जा सकेगी।

- 5. निरहंताएं :— (क) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पान्न नहीं होगा जिसकी एक से श्रिक्षिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीविन रहते हुए किसी ऐसी दणा में विकाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है;
- (ख) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पान नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी:

परन्तु केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रर्वतन से छूट देने योग्य विशेष भ्राधार है तो वह भ्रादेश दे सकेगी कि उसे छूट दी जाए ।

6. **दिश्विल करने की शक्ति**:—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखाबद्ध किए जाएंगे और संघ लोक सेवा स्रायोग के परामर्ण से आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग पद के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

				विदेशी काए	गर मंतालय उप	श्रनु -प्रशासक (कान्डला मुक्त
पद का नाम	पदों की सं०	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद्य ग्रथवा ग्रप्रवरण पद	सीघी भर्ती वालों के लिए ग्राय	सीघी भर्ती वालों के लिए ग्रंपेक्षित सैक्षिक ग्रौर ग्रन्य ग्रहताएं
1	2	3	4	5	6	7
उप-प्रशासक (कान्डला मक्त ब्यापार जोन प्रशासन)	1	साधारण केन्द्रीय सेया वर्ग राजपन्नित	700-40- 1100-50- 1250 ξο	लागू - नहीं होता	40 वर्ष भौर उससे कम (सरकारी सेवकों के लिय गिथिल की जा सकती है)	श्रावद्यक :- (i) मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से श्रर्थशास्त्र या वाणिज्य में दूसरी श्रेणी में मास्टर की डिग्री या समतुत्य । (ii) सरकारी सेवा या ख्याति प्राप्त कारबार समृत्थान में किसी उत्तरदायिस्व- पूर्ण पर्यवेक्षीय हैंसियत में लभभग श्राठ वर्ष का श्रनुभव । (श्रन्यथा मुर्श्याह्त श्रभ्यांथां की दशा में श्रर्हताएं श्रायोग के विवेका- नुसार शिथिल की जा सकती है) । वाखनीय: ।

(i) निर्यात संप्रवेतन उपायों का ग्रनुमव ।

सूची व्यापार जोन प्रशासन) पद के लिए भर्ती नियम

क्या सीधी भर्ती वालों के लिए विह्ति श्रायु श्रीर शैक्षिक श्राहताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी	परि- वीक्षा की का- लावधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति द्धारा या प्रति- नियुक्ति/अन्तरग् द्धारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्धारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति-	प्रोन्नति / प्रतिनियुक्ति/ अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/अन्तरग् किया जाना है	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना क्या है	वे परि- स्थितियां जिन में भर्ती करने में संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श किया जाना है
8	9	10	11	1 2	13
लागू नहीं होती	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होती	लागू नहीं होती	संघ लोक सेवा म्रायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के म्रधीन यथा

2788 TH	E GAZETTĒ	OF INDIA:	AUGUST	15, 1970/8	SRAVANA	24, 1892	[PART II—
1	2	3	4	5	6	7	
						किसी वि संस्था से	यता प्राप्त स्वविद्यालय/ कारबार में डिग्री /
						वेशी व्या में विदेश पाठ्य क विदेशी	रतीय विः पार संस्थान गे डिप्लोमा म या किसी श्रन्तर्राष्ट्रीय प्रणिक्षण/ । श्रनुभव।

SEC. 3(i)]	THE GAZ	ETTE OF INDIA:	AUGUST 15,	, 1970/SRAVANA :	24, 1892 2 78 9
====					
8	9	10	11	12	13

[संख्या फा० 18/3/69-ई० ग्राई०] के० के० सचदेव, ग्रवर सचिव।

कम्पनी कार्य विजाग

ये प्ररुप, सा ० का० नि० 1037, दिनांक 9 जलाई, 1970 के ग्रन्तर्गत प्रकाशित, एकाधिकार तथा निर्वेन्धकारी व्यापार प्रथा नियम, 1970 से सम्बन्धित हैं।

श्रनुसूची

प्ररुप सं० I

खाजाना चालान सं० या रसीद तारीख

(नियम 5 देखिये)

एकाधिकार तथा निर्बन्धकारी व्यापार प्रथा श्रधिनियम, 1969 सारभूत विस्तार करने के ग्राणय को केन्द्रीय सरकार को सूचना का प्रारुप ।

(टिप्पण : ''कलावधि'' से उस कलेण्डर वर्ष से भ्रब्यवहित पूर्ववर्ती तीन कलेण्डर वर्ष अभिप्रेत हैं जिसमें श्रावेदन दिया गया है)।

- 1 उपऋम का नाम ऋौर पता
- 2 श्रधिनियम के श्रधीन इसके रजिस्ट्रीकरण की संख्या श्रौर तारीख

- उपऋम का वर्गीकरण प्रथात क्या यह निम्न (लिखित खण्डों में से एक या अधिक के प्रन्तर्गत भाता है:
 - (क) ग्रिधिनियम की धारा 20 के (i), (क) (ii), ख (i) (ख) (1i), ।
 - 4 भ्रन्तः संसक्त प्रत्येक उपक्रम का नाम, पता भौर उसके रजिस्टीकरण की तारीख ।
 - 5 कृपया उपदर्शित करे।
 - (।) यदि उपक्रम साम्यन्तिक समुत्थान है तो
 - (क) स्वत्वधारी/स्वतःधारियों का/के नाम ग्रौर उसका/उनके पता/पते
 - (ख) उपयुक्त (क) के सामने गरिंगत व्यक्तियों द्वारा किसी घन्तः संसक्त उपक्रम ग्रीर किसी
 ग्रन्य उपक्रम में धारित स्वत्वधारिश्रों, भागीदारियों या निदेशकताश्रों का का पूरा
 ग्रीरा।
 - (ग) उपक्रम की पूजी-संरचना/प्रस्थापित पूजी-संरचना ।
 - (घ) प्रत्येक स्वत्वधारी/ नातेदार द्वारा किया गया विनिधान ।
 - (क) सभी भन्तः संसक्त उपक्रमों की पूजी संरचना (जिसमें डिबेंचर श्रीर उधार सम्मिलित हैं) श्रीर ऐसे प्रत्येक उपक्रम में स्वत्यधारियों/नातेदारों में से प्रत्येक द्वारा किया गया विनिधान ।
 - (च) श्रन्य उपक्रमों को जिनमें स्वात्वधारियों/ नातेदारों ने पूंजी का विनिधान किया है, पूजी संरचना (जिसमें डिवेंचर श्रीर उधार सम्मिलित है)। श्रीर प्रत्येक मामले में विनिधान का परिमाण।
 - (छ) उपक्रम में ग्रौर ग्रन्तः संसन्त उपक्रम में विदेशी सहभागिता, याद काई हो, का पूरा ब्यौरा । जिनमें विदेशी सहयोगियों के नाम ग्रौर पते तथा ऐसी सहभागिता के निर्वन्धन ग्रौर शर्ते उपदिशित की गई हों।
 - (ज) उधारों का पूरा ब्यौरा जिनमें भ्रनुसूचित बैंकों श्रौर पब्लिक सेक्टर में की वित्तीय संस्थाओं से, नामों श्रौर रकमों सहित, उधार विनिर्दिष्त : उपदक्षित किया गया हो । तत्समान ब्यौरा श्रन्त: संसक्त उपक्रमों की बाबत भी दिया जाना चाहिए ।
 - (ii) यदि उपक्रम भागीदारी फर्म है तो :---
 - (क) भागीषारों के नाम भौर उनके पते।
 - (ख) भागीदारों और उनके नातेदारों के सम्बंध में उपयुक्त (i) में (ख) से (ज) तक के के रुप में पूरा ब्यौरा।
 - $({
 m ii}^{f i})$ यदि उपक्रम निर्गामत निक ${}_{f i}$ य है तो :——
 - (क) निदेशकों, जिनमें प्रबन्ध/पूर्णकालिक निदेशक और प्रबन्धक, यदि कोई हों, भी सम्मिलित हैं, के नाम और पते।
 - (ख) निदेशकों, प्रवधक और उनके नातेबारों द्वारा ग्रन्य उपक्रमों में धारित स्वत्वधारिताश्चों भागीदारियों और निदेशकताश्चों का पूरा ब्यौरा उपक्रमों के बीच श्रन्तः संसग यदि यदि कोई हो को बताया जाना चाहिए।

- (ग) निगमित निकाय की पूंजी संरचना जिसमें यह दिशत हो कि शेयर पूंजी किस प्रकार बनी है। श्रनुसूचित बैकों, पिंकलक सेक्टर में की वित्तीय संस्थाओं, विदेशियों, श्रन्तः संसक्त उपक्रमों श्रीर 5% से श्रीक्षक मतदान शक्ति वाले श्रन्य शयरधारकों द्वारा धारित साधारण श्रीर श्रीधमान दोनों शेयरों का श्रलग श्रलग पूरा अयौरा भी दें। यदि इस ब्यौरे में 51% साधारण शेयर पूंजी नहीं श्राती तो कृपया 51% तक पूरा करने के लिए श्रन्य बड़े शेयर धारकों का ब्यौरा दें। श्रन्तः संसक्त उपक्रमों से संबंधित तत्समान जानकारी गृथक विवरण में दी जा सकती है।
- (घ) डिबेचर और उधार, यदि कोई हों /पब्लिक सेक्टर में की विसीय संस्थाओं, श्रमुसूचित दैं कों / विदेशियों और श्रन्तः संसक्त उपक्रमों को जारी किए गए डिबेंचरो श्रीर उनसे लिए गए कर्जों का पूरा ब्योरा दें। कर्जों के निबन्धन श्रीर उनकी शर्ते श्रन्तः संसक्त उपक्रमों से संबंधित तत्समान जानकारी भी दी जानी चाहिए।
- (ङ) निगमित निकाय में शेयर धारिता (ग्रिधिमान ग्रीर साधारण) का स्वरुप । (इसमें (i) प्रत्येक निदेशक, प्रबंधक, ग्रीर उनके नातेवारों में से प्रत्येक को मतदान शक्ति को प्रतिशतता ग्रीर (ii) उन समूहों को मतदान शक्ति ग्रीर विशिष्टियां से प्रत्येक की मतदान शक्ति 5% या उससे ग्रिधिक है)।
- (च) प्रत्येक श्रन्तः संसक्त उपक्रम की पूजी-संरचना श्रौर ऐसे प्रत्येक उपक्रम में प्रत्येक निदेशक, प्रबन्धक श्रौर उनके नातेदारों में से प्रत्येक द्वारा धारित शेयरों की संख्या/ विनिहित पूजी, जिसमें निदेशकों श्रौर उनके नातेदारों की सम्मिलित मतदान शक्ति भी सम्मिलित है।
- (छ) यदि किसी निदेशक, प्रबन्धक या ऐसे निदेशक, प्रबन्धक के किसी नातेदार का किसी उपक्रम में, भले ही वह भ्रन्त:संसक्त हो या न हो, कोई विक्तीय या भ्रन्य हित हो ती पूरा क्यौरा दिया जाए ।
- 6 उपक्रम के कारबार का क्षेत्र /उपक्रम द्वारा विनिर्मित, प्रदत्त, वितरित या श्रन्यथा नियंत्रित माल या की गई सेवाश्रों का विवरण जिसमें उस कालावधि के दौरान माल या सेवाश्रों में से प्रत्येक का यथा स्थिति मत्य लागत, कीमस, मान्ना या क्षमता सम्मिलित है, प्रमिततः दिया जाना चाहिए।
- 7 प्रत्येक श्रन्तःसंसक्त उपक्रम द्वारा उस कालाविध में उसी या तत्समान माल या ऐसे माझ, जो विभिन्न प्रकार से उत्पादित क्या जाता है, की उत्पादित,प्रदत्त, वितरित या श्रन्यथा नियंक्षित यथा-स्थित मान्ना श्रीर/या मूल्य/श्रीर उन्ही या तत्समान सेवाश्रों का मूल्य उपविशत करें।
- 8 चालू कलेण्डर वर्ष में उत्पादित, प्रदत्त, वितारत या नियन्नित माल का प्रावकलित परिमाण्य ग्रौर मूल्य तथा की जाने वाली सेवाग्रों का मूल्य उपदर्शित करें।

- 9 प्रस्तावित सारभूत विस्तार का ब्यौरा:---
- (क) यदि नया माल उत्पादित, प्रदत्त, वितरित , या निये क्रित करने या नई सेवाएं करने की प्रस्थापना है तो
- (क) क्रुपया निम्नलिखित ब्यौरा वें :---

कम नए माल या नई सेवाओं का उद्योग जिससे माल संस्थापित किए जाने के लिए प्रस्थापित सं० वर्णन संबंधित हैं वार्षिक क्षमता या की जाने के लिए प्रस्थापित सेवाओं का प्राक्कल पित मूल्य।

(ख) कृपया उपदर्शित करें:---

विस्तार से पूर्व

म्रास्तियों का वर्णन म्रीर मूल्य विस्तार के पश्चात्

स्रास्तियों का वर्णन स्रौर प्राक्कलित मूल्य ।

(ग) यदि श्रन्तः संसक्त उपक्रमों में से कोई प्रस्थापित नया माल या तत्समान भाल या नए माल के विभिन्न रुप पहले से ही उत्पादित, प्रदत्त वितरित या नियंत्रित कर रहा है या प्रस्थापित सेवाएं कर रहा रहा है तो कृपया निम्नलिखित ब्यौरा दें :---

क्रम उपक्रम का पता श्रौर रजिस्ट्रीकरण माल/सेवाश्रों श्रनुज्ञप्त - संस्थापित कलावधि के सं० सं० सहित नाम का वर्णन क्षमता क्षमता के दौरान श्रादर्त ।

(ख) यदि विद्यमान क्रियाकलाप में सारभूत विस्तार करने की प्रस्थापना है तो:---

(क) प्रस्थापित विस्तार की दिशाश्रों का वर्णन करें :--

माल का वर्णन वर्तमान वार्षिक कालावधि के दौरान प्रस्थापित वार्षिक संस्थापित सेवाग्नों का प्रकार संस्थापित क्षमता श्रावत विस्तार क्षमता या विस्तार के पश्चात् प्राक्कलित क्षमता।

(ख) कृपया उपदिशत करें---

विस्तार से पूर्व

विस्तार के पश्चात्

ग्रास्तियों का वर्णन श्रौर मूल्य ।

ष्रास्तियों का वर्णन ग्रौर प्राक्कलित मूल्य।

(ग) यदि श्रन्तः संसक्त उपक्रमों में से कोई वही या तत्समान माल या ऐसे माल के पहले विभिन्न रूप का पहले सेही उत्पादित, प्रदत्त, वितरित , या नियंद्रित कर रहा है या वही या तत्समान सेवाएं कर रहा है तो कृपया निम्मलिखित ब्यौरा दें।

कम उपक्रम का पता और राजिस्ट्रीकरण माल/सेवाओं श्रनुक्रप्त संस्थापित कालावधि के सं० सं० सहित नाम का वणन । क्षमता क्षमता दौरान ग्रावर्त

- टिप्पण:--- (i) अधिनियम की धारा 20 के अधीन स्पष्टीकरण के श्रन्तर्गत संगणित की जाने वाली श्रास्तियों का मुल्य।
 - (1) प्रत्येक वर्णन के माल और सेवाभ्रों को भ्रलग-म्रलग करने के लिए माल भ्रीर सेवाभ्रों के श्रांकड़े।
 - 1. वित्त स्कीम :---

कृपया प्रतिस्थापित विस्तार के लिए वित्त स्कीम के संबंध में निम्नलिखित सहित पूरा ब्यौरा दें :---

- (क) प्राक्कलित पूंजी परिव्यय जिसमें भूमि, निर्माण, संयंत्र स्रौर मशीनरी, कच्ची सामग्री स्रादि जैसे शीर्यों को प्रस्थापित श्राबंटन उपर्दाशत किया गया हो ।
- (ख) यदि उपस्कर को कोई मद जिसके श्रन्तर्गत कच्ची सामग्री है श्रायात की जानी है तो कृपया श्रायात प्रत्येक मद का भारतीय करेंसी तथा विदेशी करेंसी दोनों में प्राक्कलित मूल्य का पुरा ब्यौरा दें।
- (ग) वित्त स्त्रोत
- (i) यदि प्रस्थापित विस्तार को उपक्रम के श्रान्तरिक ⊴त्रोतों से वित्तपीषित करने की प्रस्थापना है तो प्रमिततः उपदिशित करें कि धनराशि किस प्रकार एकत्र की जाएगी।
- (ii) यदि किसी भ्रन्य उपक्रम से जिसके भ्रन्तर्गत भ्रन्तःसंसक्त उपक्रम भ्राते हैं कर्जे भ्रभिप्राप्त करने की प्रस्थापना है तो कृपया ब्याज भ्रौर पुनः संदाय की दर सहित उन निबन्धों भ्रौर गर्तों को ब्यौरेवार उपवर्णित करें।
- (iii) यदि किसी बैंक या वित्तीय संस्था से उधार लेने का आशय है तो कृपया कर्जा देने वाली संस्था का नाम और ब्याज दर, पुन: संदाय और उपक्रम के प्रबन्ध अपना नाम निर्देशित-नियुक्त करने और/या कर्जे या उसके किसी भाग को उपक्रम के साधारण शेयर पूंजी विनिमान में संपरिवर्तित करने का विकल्प सहित निबन्धन तथा शर्जे उपवर्णित करें।
- (iv) यदि कोई विदेशी मुद्रा अन्तर्वैलित है तो व्यक्ति या संस्थाओं का नाम और कर्जे के निबन्ध उपविधात करते हुए पूरा ब्यौरा प्रस्तुत करें।
- (V) ग्रलग विवरण संलग्न करें जिसमें यह दिशित हो कि :--
- (क) उस लेखा वर्ष के जो उस कलेण्डर वर्ष जिसमें ग्रावेदन किया गया है से श्रव्यवहितपूर्व कलेण्डर वर्ष के दौरान समाप्त होता है श्रन्तिम दिन को या यदि लेखा तैयार हो गए हैं तो उसके श्रन्तिम कलेण्डर वर्ष की समाप्ति की तारीख को, उपक्रम के वित्तीय श्रीर नकदी—स्थिति।

- (ख) यदि नई पूंजी जारी करने की प्रस्थापना है तो पब्लिक सेक्टर वित्तीय संस्थाग्रों, बकों, विदेशियों ग्रौर ग्रन्तः संसक्त उपक्रमों द्वारा प्रतिश्रुत किए जाने क्रय का जिम्मा लिए जाने के लिए प्रस्थापित श्रीयरों के बारे में पूरा ब्यारा दिया जा सकता है।
- (vi) यदि प्रस्थावित विस्तार का वित्तपोषण किसी अनुसूचित बैंक या वित्तीय संस्था या उपक्रम से जो अन्तः संसक्त नहीं है उधार लेकर करना ईप्सित है तो कृपया बस्तावेंजों साक्ष्य प्रस्तुत करके प्रमिततः उपदिशित करें कि प्रस्थापित विस्तार के लिए अपेक्षित निधियों का उपबन्ध उन उपक्रमों जिनके साथ आवेदक उपक्रम अन्तः संसक्त है द्वारा क्यों नहीं किया जा सकता।
- 11. कृपया प्रस्थापित विस्तार से पूर्व के सभी वर्णन के उत्पदित, प्रवृत्त, वितरित्या नियंत्रित माल श्रीर/या की गई प्रत्येक श्रेणी कीप्सेवा श्रीर प्रस्थापित विस्तार के पश्चात् उत्पादित माल श्रादि श्रीर की जाने वाली सेवाश्रों की बाबत श्रपने उपक्रम का बाजार शेयर प्रस्तुत करें।
 - 12. कोई भ्रन्य जानकारी जो उपक्रम प्रस्तुत करना चाहै।
 - 13 उपक्रम के गत तीन लेखा वर्षों के लिए वार्षिक लेखाओं में से प्रत्येक की एक प्रति।

प्रधान ग्रधिकारी के हस्ताक्षर
स्थान
धारीख
सत्य _ा पन
"मैं, क. ख
प्रधान श्राफिसर के हस्ताक्ष र
(भारत सरकार द्वारा भरा जाना है)
া. सूचना की प्राप्ति की तारीख :
प्रापक ग्राफ्सर के हस्ताक्षर
ता रीख
2. श्रायोग को निर्देश की दशा में :
(क) तारीख, जिसका मामला भ्रायोग को निर्दिष्ट किया गया है ।

(ख) तारीख, जिसको आयोग की रिपोर्ट प्राप्त हुई है।

3. तारीख, जिसको सरकार के आदेश आवेदक उपक्रम को संसूचित किये गये थे।

खजाना चालान सं० या रसीद सं० तारीख

प्रदूप 2

(नियम 6 देखिये)

एकाधिकार तथा निर्वेन्धनकारी व्यापार प्रथा प्रधिनियम, 1969

नए उपक्रम के संख्यापन के लिये श्रावेदन का प्रारूप (टिप्पण: "कालावधि" के उस कलेण्डर वर्ष से श्रव्यवहित पूर्ववर्ती तीन कलेण्डर वर्ष श्रीभन्नेत हैं जिसमें आवेदन दिया गया है।

- 1. उस नए उपक्रम जिसके अधिनियम की धारा 22 के उपबन्धों को ब्राक्टब्ट करने की संभावना है के संस्थापन की प्रस्थापना करने वाले ब्यक्ति/प्राधिकारी का नाम और पता ।
- 2. यथास्थिति, प्रःश्यापित स्वत्वधारियों, भागीदारों, समप्रवर्तकों या निदेशकों के नाम ग्रौर उनके पते ।
 - 3. प्रस्थापित उपक्रम का नाम, उसकी पंजी, संरचना और प्रबन्ध प्रकार ।
 - 4. कारखाने की प्रस्थापित ग्रवस्थिति । सहसील.....राज्य.....राज्य.....राज्य.....
 - 5. नए उपऋम के कारबार के प्रस्थापित क्षेत्र (प्रत्येक श्रेणी के उत्पादित, प्रदत्त, वितरित या नियंत्रित माल ग्रीर प्रत्येक श्रणी की की जाने वाली सेवाग्रों की विशिष्टियां स्पष्ट रूप से निर्विष्ट की जानी चाहियें) ।
- 6. यदि माल विनिर्मित करने या सेवायें करने की प्रस्थापना हैं तो कृपया प्रस्थापित संस्थापित क्षमता श्रीर प्राक्कलित वार्षिक उत्पादन की माला श्रीर मत्य दोनों में श्रावर्त उपदक्षित करें। प्रस्थापित संस्थापित क्षमता या प्राक्कलित वार्षिक उत्पादन का निर्धारण करने में पनाया गया आधार, जिसमें पारी प्रचालन सम्मिलित है, उपदक्षित किया जाना चाहिये।
 - 7. यदि क्रमिक विनिर्माण कार्यक्रम अनुध्यात हैं तो कृपया निम्नलिखित विशिष्टियां दें :

वर्ष	उत्पादन	वार्षिक	मावर्त	कच्ची सामग्री की आयातित अन्तर्वस्यु
	काक्षेत्र	मान्ना टनों में	भूल्य	का प्रतिगत मूल्य

8. (क) उन उपक्रमों में से जिनके साथ नया उपक्रम, जो संख्यापित होने पर, श्रन्त: संसक्त हो जायगा श्रिधिनियम के श्रिधीन प्रत्येक का नाम, पता, संख्या श्रौर रजिस्ट्रीकरण की तारीख । प्रत्येक दशा में अन्त: संसर्ग की रीति उपदर्शित की जानी चाहिये।)

- (ख) कृपया पब्लिक सेक्टर की वित्तीय संस्थाश्रों, बैंकों, विदेशियों और ऊपर उप-पैरा (क) में उपद्यात उपक्रमों में से प्रत्येक के 5 प्रतिणत से ब्रधिक मनदान शक्ति वाले धारकों हारा धारिन णेयरों के बारे में पूरा ब्योग दें। यदि उन ब्योरों में 51 प्रतिशत साक्षारण णेयर पूजी नहीं श्राती तो 51% तक पूरा करने के लिये श्रन्य बड़े धारकों का ब्योरा दें।
- 9. कृपया ऊपर पैरा 8(क) के सामने उपदर्शित प्रत्येक उपक्रम की बाबत निम्नलिखित व्यौरा वैं।

					, -	
उपक्रम का नाम	उत्पादित माल/की गई					
	सेवाम्रों की श्रेणी	क्षमता	क्षमता	के दौरान	में बाका	वाजार
				ग्रावर्त	शेयर	Ţ

1 2 3 4 5 6

- 10. जत्पादित ,प्रदत्त, वितरित या नियंत्रित किये जाने के लिये प्रम्थापित प्रत्येक श्रेणी के माल भ्रौर/या की जाने के लिये प्रम्थापित प्रत्येक श्रेणी के माल श्रौर/या की जाने के लिये प्रम्थापित किसी श्रेणी की सेवा की बाबत श्रन्तः संसक्त उपक्रमों में से प्रत्येक के प्राक्कलित बाजार श्रेयर के साथ नए उपक्रम का प्राक्कलित बाजार श्रेयर प्रस्तत करें।
 - (प्राक्किलित बाजार णेयर श्रनुझप्त/प्रस्थापित संस्थापित क्षमता के प्रति निर्देण से संगणित किया जायगा)
 - थदि कोई क्रमिक कार्यक्रम है तो प्राक्कलित बाजार शेयर प्रत्येक वर्ष के प्राक्कलित ग्रावर्त के प्रति निर्देश से दीर्शित किया जायगा ।
 - 11. वित्त₌स्कीम---
 - कृपया नए उपक्रम के लिये वित्तीय स्कीम, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है, के बारे में पूरा व्यौरा प्रस्तुत करें —
 - (क) भूमि, निर्माण, संयंत्र श्रौर मणीनरी, कच्ची सामग्री श्रादि जैसे व्यौरेवार णीर्ष को प्रख्यापित उपदर्शित श्रावंटन उपदर्शित करते हुए प्राक्कलित पारेयोजना लागत ।
 - (ख) वित्त-स्रोत--
 - (i) यदि वित को अपेक्षाय किसी अन्य उपक्रम जिसमें अन्तः संसक्त उपक्रम सम्मिलित है के स्रोतों से पूरी करने की प्रस्थापना ह तो क्रुपया उन निर्बन्धनों और शर्ती का व्योग दें जिन पर विक्त के उपलब्ध होने की प्रत्याशा है।
 - (ii) यदि इस सम्बन्ध में किसी श्रनुसूचित बैंक या पब्लिक सेक्टर में की वित्तीय संरथा से सहायता का उपभोग करना आशयित है तो कृपया कर्जा देने वाली संस्था के निबन्धन श्रीर मतं जिनमें ब्याज-दर, पुनः संदाय श्रीर उपक्रम के प्रबन्ध में श्रपना नाम निर्देशनी नियुक्त करने श्रीर/या कर्जे या उसके किसी भाग को उपक्रम के साधारण शेयर पूजी विनिधान में संपरिवित्त करने का विकल्प सम्मिलित है, उपविणव करें।

- (iii) यदि कोई विदेशी मन्ना प्रन्तर्वेलित हैं तो व्यक्तियों या संस्थाओं का नाम भीर कर्जों के निबन्धन उपवर्णित करते हुए पूरा व्यौरा दें।
- (iV) यदि वित्तीय संसाधन किसी बैंक, वित्तीय संस्था या उपक्रम जो अन्तः संसक्त नहीं है से प्राप्त करना ईप्मित हैं तो कृपया प्रमिततः उपदिशत करें कि प्रस्थापित उपक्रम के लिये अपेक्षित निधियों की व्यवस्था उन उपक्रमों जिनके साथ आवेदक उपक्रम संस्थापित होने पर अन्तः संसक्त होंगे ब्रारा क्यों नहीं की जा सकती।
- (ए) यदि कम्पनी अधिनियम के अधीन नई कम्पनी बनाने की प्रस्थापना है और इस प्रयोजन के लिये पूंजी जारी करने की प्रस्थापना हैं तो निम्नलिखित का पूरा व्यौरा दें--
- (क) पूंजीन्संरचना ।
- (ख) पब्लिक सेक्टर वित्तीय संस्थाश्रों श्रीर श्रनुसूचित बैंकों द्वारा प्रतिश्रुत करने के लिये जिम्मा लेने के लिये प्रस्थापित शेयर । (उपक्रमों के नाम भीर निबंधन तथा शर्तें दी जायेंगी)।
- (ग) ग्रन्य जिम्मा लेने वालों द्वारा जिम्मा लेनेके लिये प्रस्थापित शैयर (नाम भौर जिम्मा लेने के निबन्धन भौर शर्तें दी जायेंगी)।
- (घ) विदेशी सहयोगियों यदि कोई हों, को जारी करने के लिये प्रस्थापित शेयर, विदेशी सहयोगियों के नाम, कम्पनी की पूंजी में उनके भाग लेने का प्रकार और विशिष्टियां और प्रस्थापित सहयोग करार का व्यौरा।
- (ङ) उन उपक्रमों को जो नए उपक्रम के साथ ग्रन्तः संसक्त होंगे जारी किए जाने के लिये प्रस्थापित शेयर:
- (च) (i) उन विद्यमान उपक्रमों जो नये उपक्रम के साथ ग्रन्तः संसक्त उपक्रम हो जायेंगे के निदेशकों/स्वत्वधारियों/भागीदारीं को जारी किये जाने के लिये प्रस्थापित शेयर ।
- (ii) ऐसे निदेशकों/स्वत्वधारियों/भागीदारों के नातेदारों को जारी किये जाने के लिये प्रस्थापित शेयर; श्रीर ।
- (छ) सामान्य निदेशकों या प्रबन्धक के नाम ।
- 12. प्रमुख कच्ची सामग्री ग्रौर उसके मुल्य की प्राक्कलित ग्रपेक्षाये:

कच्गी सामग्री का देशज या स्रायात प्रस्थापित संस्थापित क्षमता मूल्य (विदेशी मुद्रा में, नाम की गई तक पहुंचने के लिये ध्रपेक्षित जहां लागू हो) मान्ना

13. पूंजी उपस्कर की अपेक्षायें, यदि कोई हों। अपेक्षित उपस्कर का कुल मूल्य।

- (i) श्रायात किया गया
- (ii) देशज
- 14. उपदर्शित करें कि क्या कच्ची सामग्री भ्रौर तैयार माल के संचालन के लिये रेल परिवहन की भ्रपेक्षायें, यदि कोई हों, उपलब्ध हैं।

- 15. उपदर्शित करें कि क्या जल, शक्ति श्रौर कोयला/कोक की श्रपेक्षायें प्रस्थापित प्रस्थिति में पूरी हो जायेंगी।
 - 16. नियोजित किये जाने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या उपर्दाशत करें।
- 17. यदि नये उपक्रम को किसी श्रेणी के माल के प्रदाय, वितरण, या नियंत्रण जैसे व्यापारिक कियाकलापों में रत होना है तो कृपया ऐसे प्रत्येक माल, प्रदाय——स्रोतों, देश उस भाग जहां ग्रन्ततोगत्वा माल का विकय होना है, ऐसे प्रत्येक माल के लिये प्राक्कलित वार्षिक ग्रावर्त, का पूरा व्यौरा दें।
- 18. उन उनक्रमों जिनके साथ, स्थापित होने के पश्चात नया उपक्रम ग्रन्तः संसक्त उपक्रम बन जाएगा के ग्रन्तिम वर्ष के लिए वाधिक लेखा की एक-एक प्रति संलग्न करे। यदि उपक्रम का स्वामित्व निगमित निकाय के पास है तो कृपया ऐसी कम्पनी के ग्रन्तिम वर्ष के लिए संपरीक्षित वाधिक लेखा संलग्न करें।

स्थान	
तारीख	प्रधान ग्राफिसर के हस्ताक्षर
	सत्यापन
"मैं, क, ख,	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा ग्रौर सद्भाव से कथन कर	रता हूं कि उपरोक्त पैरा 1 से 18 में कथित विवर ण
मेरे सर्वोत्तन ज्ञान ग्रौर विश्वास के ग्रनसार सह	ਜ਼ਿੰ ਵੈ ।"

प्रधान ग्राफिसर के हस्ताक्षर

(भारत सरकार द्वारा भरा जाना है)

1. सूचना की प्राप्ति की तारीख

प्रापक ग्राफिसर के हस्ताक्षर

- 2. स्रायोग को निर्देश की दशा में :
 - (क) तारीख, जिसको मामला ग्रायोग को निर्दिष्ट किया गया है।
 - (ख) तारीख, जिस को ग्रायोग की रिपोर्ट प्राप्त हुई है।
- 3. तारीख, जिसको सरकार के ग्रादेश ग्रावेदक उपक्रम को संसूचित किए गए थे।

प्रदय 3

[नियम 7 (1) देखिए]

खजाना चालान संख्या या रसीद-तारीख

एकाधिकार तथा निर्वन्धकारी व्यापार प्रया ग्रिधिनियम, 1969 विलयनं/समामेलनं के लिए केन्द्रीय सरकार को ग्रावेदन का प्रक्षा

(**टि॰गण** : ''कालाविधि'' से उस कलेन्डर वर्ष से श्रव्यविहन पूर्ववर्ती तीन कलेन्डर वर्ष श्रभिप्रेत .है जिसमें आवेदन दिया गया है)।

- 1. उस म्रावेदक उपक्रम का नाम श्रीर पता जिसको म्रधिनियम के म्रध्याय 3 का भाग 'क' लागू होता है (विलयन/समामेलन की प्रस्थापित स्कीम का पक्षकार)
- 2. विलयन/समामेलन की प्रस्थापित स्कीम का पूरा ब्यौरा (स्कीम की एक प्रति संलग्न की जानी चाहिए) है।
- समामेलनं विलयन के लिए प्रस्थापित उपक्रमों की पूंजी संरचना/पूंजी विनिधान का ब्यौरा ।
 - 4. समामेलन विलयन के लिए प्रस्थापित उपक्रमों के प्रबन्ध का रूप।
- 5. संबंधित उपक्रम द्वारा कालाविधि के दौरान उत्पादित, प्रदत्त वितरित या नियंत्रित माल या की गई सेवाएं।
- 6. कालाविधि के दौरान प्रत्येक उत्पाद की बाबत संबंधित उनकतों के बाजार शेयर (क्रुपया प्रत्येक उपक्रम को बाबत पृथकतः, प्रतृक्षाप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता श्रीर उत्पादन/श्रावर्त्त के संबंध में पृथक ब्यौरा दें।
- 7. संबंधित उनकमों से अन्तः संसक्त प्रत्येक उनकम का नाम और पता, प्रत्येक के स्वत्वधारी/ भागीधारों/निदेशकों का नाम और पता, प्रत्येक की गूंजी संरचना और वार्षिक स्वावर्त और कालाविधि के दौरान प्रत्येक उत्पादित, प्रदत्त, विनरित या नियंत्रित उत्पाद और/या की गई सेवा की बाबत प्रत्येक उपकम के बाजार णेयर।
- 8. कृतया उपरोक्त स्तंभ 7 की तरह उपक्रम से ग्रन्तः संसक्त उस प्रत्येक उपक्रम की बाबत जो प्रस्थापित विलयन/समामेलन स्कीम से ग्रस्तित्य में लावा जाएगा, पूरी विशिष्टियां दें।
- 9. प्रस्थापित विलयन/समामेलन द्वारा प्राप्त किए जाने वाले ईप्सित उद्देश्य । (दिए गए कारण विस्तृत होने चाहिए और समर्थन करने वाले साक्षय संलग्न होने चाहिए)
- 10. यदि प्रस्थापित विलयन/समामेलना से, किसी उत्पाद के जो उत्पादित, प्रदत्त, वितरित या ग्रन्थथा नियंत्रित किए जा सकते हैं, या की गई सेवाग्रों के प्रति निदेश से, बाजार-संरचना में परि-वर्तन लाए जाने की संभावना है, तो कुपया यह उपर्दाशत करें कि क्या ऐसे परिवर्तन से प्रतिस्पर्धी विरोधी प्रभाव या एकाधिकार होने की संभावना है।

1	11.	यदि प्रस्थापना	में दो	या	म्रधिक	निगमित	निकायों	का	विलयन	या	समामेलन	ग्रन्तर्वहि	ात:
है तो कृप	या र	पह उपदर्शित व	^{हरें} :−	_									

- (क) ब्रत्येक निगमत निकाय क निदेशकों/प्रबन्धकों के नाम भ्रौर पते।
- (ख) प्रत्येक निगमित निकाय के 5% या भ्रधिक ग्रेयर धारण करने वाले प्रत्येक पब्लिकः सेस्टर वितीय संस्था बैंक, विदेशियों भ्रीर श्रन्य व्यक्तियों द्वारा धारण किए गए। श्रेयरों की बाबत पूरा ब्यौरा;
- (ग) प्रत्येक निगमित निकाय के सामान्य शेयर धारकों के नाम श्रीर पतें।
- 12. कोई भ्रन्य सूचना जिसे भावेदक देना चाहै।
- 13. कृपया संबंधित उपक्रमों के गत तीन लेखा वर्षों के वार्षिक लेखाओं की प्रति संलग्न करें 🕼
- 14. कृपया उन सभी उपक्रमों के गत तीन वधों के प्रत्येक वार्षिक लेखा की प्रलि संलग्न करें जो: उस उपक्रम के साथ प्रन्त : संसक्त होंगे जो प्रस्थापना के परिणामस्वरूप उद्भृत होगा ।

स्थान ————	विलयन के लिए प्रस्थापित प्रत्येक उपक्रम जिसकोः प्रिक्षितियम के प्रध्याय 3 का भाग क लागू होता है:			
सारीख	के प्रधान श्राफिसर के हस्ताक्षर स्थापन			
40	, 4, 1, 1			
"मैं, क, ख, एसद्द्वारा सत्यनिष्ठा ग्रौर सद्भाव से कथन करता हूं कि उपरोक्त पैरा 1 से 14 में कथित विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान ग्रौर विश्वास के श्रनुसार सही है।"				
	उत्तरदायी श्राफिसर के हस्ताक्षर			

(भारत सरकार द्वारा भरा जाना है)

1. सूचना की प्राप्ति की तारीखः

प्रापक	श्रा	फेसर	के	हस्ताक्षर
तारीख	_			

- 2. ग्रायोग को निर्देश की दशा में :
 - (क) तारीख, जिसको मामला भायोग को निर्दिष्ट किया है।
 - (ख) सारीख, जिसको श्रायोग की रिनोर्ट प्राप्त हुई है।
- 3. तारीख, जिसको सरकार के आदेश आवेदक उपक्रम को संसूचित किए गए थे ध

प्ररूप 4

[नियम 7 (2) देखिए]

खजाना चालान या रसीद तारीख

एकाधिकार तथा निर्वन्धनकारी व्यापार प्रथा श्रिधिनियम, 1969

सम्पूर्ण उपक्रम या उसके भाग को क्रय, ग्रहण या ग्रन्य प्रकार से ग्राजित करने की प्रस्थापनाग्रों की बाबत केन्द्रीय सरकार की ग्रावेदन का प्ररुप ।

(टिप्पण : ''कालावधि'' से उस कलेन्डर वर्ष से अन्यवहित पूर्ववर्ती तीन कलेन्डर वर्ष अभिप्रेत है जिसमें आवेदन किया गया है)।

- श्रन्य उपक्रम को या उसके भाग को कप, ग्रह्ण या श्रन्य प्रकार से ग्राजित करने की प्रस्थापना करने वाले उपक्रम का नाम श्रीर पता।
 - 2. उपक्रम की रजिस्ट्रीकरण संख्या।
- 3. ग्रीजित करने वाले उपक्रम से ग्रन्त : संसक्त प्रत्येक उपक्रम का नाम, पता ग्रीर रिज-स्ट्रीकरण की संख्या ग्रीर तारीख।
 - 4. कृपया उपदर्शित करे:--
 - (i) यदि उपक्रम सांपत्तिक समुत्थान है तो :---
 - (क) स्वत्वधारी/स्वत्वधारियों का / के नाम श्रौर उसका/उनके पता/पते ।
 - (ख) उपरोक्त (क) के सामने दर्णित व्यक्तियों द्वारा श्रन्तः संसक्त उपक्रम श्रौर किसी श्रन्य उपक्रम में धारित स्वत्वधारिताश्रों, भागीदारियों या निदेशकताश्रों का पूरा ब्यौरा।
 - (ग) उपक्रम की पूंजी-संरचना प्रस्थापित/पूंजी संरचना ।
 - (घ) उपक्रम में प्रत्येक स्वत्वधारी $_{i}$ नातेदार द्वारा किया गया विनिधान ।
 - (ङ) सभी ग्रन्त : संसक्त उपक्रमों की पूंजी-संरचना (जिसमें डिबेन्चर ग्राँर उधार भी सम्मिलित्त हैं) ग्राँर ऐसे प्रत्येक उपक्रम में स्वत्वधारियों/नातेदारों में से प्रत्येक द्वारा किया गया विनिधान ।
 - (च) उन श्रन्य उपकर्मों को जिनमें स्वत्यधारियों/नानेदारों ने पूंजी का विनिधान किया है पूंजी संरचना, किस में डिबेन्चर श्रीर उधार सम्मिलित हैं श्रीर प्रत्येक मामले में विनिधान का परिमाण।
 - (छ) उपक्रम श्रीर ग्रन्त: संसक्त उपक्रमों में विदेशी सहभागिता यदि कोई हो, का पूरा ब्यौरा जिसमें विदेशी सहयोगियों के नाम श्रीर पने तथा ऐसी सहभागिता के निन्धन श्रीर गर्ते उपदिशत की गई हों।
 - (ज) उधारों का पूरा ब्यौरा जिनमें अनुसूचित बैंको श्रौर पब्लिक सेक्टर में की वित्तीय संस्थाओं के नामों श्रौर रकमों सहित उधार विनिर्दिष्टतः उपर्दाशत किया गया हो । तुरसमान ब्यौरा श्रन्तः संसक्त उपक्रमों की बाबत भी दिया जाना चाहिए ।

- (ii) यदि उपक्रम भागवारी फर्म है तो :--
 - (क) भागीदारों के नाम अपेर उनके पते ;
 - (ख) भागीदारों स्रौर उनके नातेदारों के संबंधः में उपर्युवत (के) में (ख) से (ज) तकः के रूप पूरा क्यौरा।
- (iii) यदि उपक्रम निगमित निकाय है तो :---
 - (क) निदेशकों जिसमें प्रबन्ध/पूर्ण कालिक निदेयक ग्रीर प्रबन्धक, यदि कोई हो, सम्मिलिसः हैं के नाम ग्रीर पते ।
 - (ख) निदेशकों, प्रबन्धक श्रौर उनके नातेदारों द्वारा श्रन्य उपक्रमों में धारित स्वत्वधारिताश्रों, भागीदारियों श्रौर निदेशकताश्रों का पूरा ब्यौरा उपक्रमों के बीच श्रन्त : संसग, यदि कोई हो बताया जाना चाहिए।
 - (ग) निगमित निकाय की पूंजी संरचना जिसमें यह दिणत हो कि शेयर पूंजी किस प्रकार बनी है और श्रन्त : संसक्त उपक्रमों में श्रनुसूचित बैंकों, पब्लिक सैंक्टर में की वित्तीय संस्थाओं, विदेशी सहभागिता, यदि कोई हो ब्रारा धारित शेयरों से संबंधित पूर्ण ब्यौरा भी दें। श्रन्तः संसक्त उपक्रमों से संबंधित तत्समान सूचना।
 - (ध) डिबेन्चेर श्रौर उधार यदि कोई हो/पब्लिक सेक्टर में की वित्तीय संस्थाश्रों, श्रनुसूचित बैंकों, विदेशी सहभागियों, यदि कोई हो, श्रौर श्रन्त : संसक्त उपक्रमों को जारी किए गए डिबेन्चरों श्रौर उनसे लिए गए कर्जों का पूरा व्यौरा दें। कर्जों को प्रतिभूत श्रौर श्रप्रतिभूत कर्जों में वर्गीकृत करें। दी गई प्रतिभूति की प्रकृति उपदिणत की जा सकती है। श्रन्त : संसक्त उपक्रमों से संबंधित तत्समान जानकारी भी दी जानी चाहिए।
 - (ङ) निगमित निकाय में शेयर धारिता (अधिमान और साधारण) (इसमें प्रत्येक निदेशक, प्रबन्धक श्रीर उनके नातेदारों में से प्रत्येक मतदान शक्ति की प्रतिश्वाता श्रीर उन समूहों की मतदान शक्ति श्रीर विशिष्टियां जिनमें से प्रत्येक की मतदान शक्ति । प्रतिशत या श्रिधक है सम्मिलत होनी चाहिए ।
 - (च) प्रत्येक श्रन्तःसंसक्त उपक्रम की पूंजी-संरचना श्रौर ऐसे प्रत्येक उपक्रम में प्रत्येक निदेशक प्रबन्धक श्रौर उनके नातेदारों में से प्रत्येक द्वारा धारित शेयरों की संख्या/विनिहित पूंजी, जिसमें निदेशकों श्रौर उनके नातेदारों की सम्मिलित मतदान शक्ति भी सम्मिलित है।
- (छ) यदि किसी निदेशक, प्रबन्धक या ऐसे निदेशक, प्रबन्धक के किसी नातेदार का किसी उपक्रम में, भले ही वह भ्रन्तःसंसक्त हो या न हो, कोई वित्तीय या श्रन्य हित है तो पूरा यौरा दिया जाए ।
- (ज) भ्रांजित किए जाने वाले उपक्रमों भ्रौर उनसे श्रन्तःसंसक्त उपक्रमों के स्वत्वधारियों । भागिदारों / निदेशकों के नाम, पूंजी संरचना, शेयर धारिता-प्रतिरूप, सामान्य शेयरधारकों के धारण किए गये शेयरों की संख्या को उपदिशात करते हुए, नाम श्रौर पते या ऐसे प्रत्येक उपक्रम की बाबत हित की प्रकृति श्रौर विस्तार ।
- 5. श्रिजित किए जाने वाले उपक्रम के कारबार का क्षेत्र / उपक्रम द्वारा विनिर्मित, प्रदत्त, वितरित या अन्यथा नियंत्रित साल या की गई सेवाश्रों का विवरण प्रमिततः दिया जाना चाहिए

जिसमें प्रत्येक माल का यथास्थिति मूल्य, लागत, कीमत, परिमाण या क्षमता ग्रौर कालावधि के दौरान सेवाएं सम्मिलित हैं।

- 6. क्रुप्या उसी या उसी प्रकार के माल या उस माल की जो विभिन्न उत्पादित प्रदेश वितरित या अन्यथा नियंस्रित विभिन्न प्रकार के उत्पादन का विषय है, यथास्थिति माला और/या मूल्य उपदिश्वित करे श्रीम श्रीजित करने वाले उपक्रम से ग्रन्त:संसक्ष्त प्रत्येक उपक्रम द्वारा की गई उसी या उसी प्रकार की सेवाओं क्या मूल्य।
- 7. आलू कलेन्डर वर्ष के दौरान उत्पादित, प्रदक्त, वितरित या भ्रन्यथा नियंत्रित किए जाने वाले भाल की प्राक्कलिक्ष माला भीर मूल्य और की जाने वाली सेवाओं का मूल्य उप-विश्ति करें।
- अ. उस उपक्रम का सम्म श्रौर पता जिसे पूर्णतः या जिसके भागतः ग्रहण या ध्रन्यथा अर्जिल कस्ने की प्रस्थापना है। कृपया उपक्रम की रिजिस्ट्रीकरण संख्या, यदि यह श्रधिनियम के श्रधीन रिजिस्ट्रीकृत है, उपदिमात करे।
- '9. कृपया ऋय द्वारा, ग्रहण द्वारा या भन्यथा प्रस्थापित श्चर्जन का पूरा ब्यौरा दें जिसमें निम्निचिखित हो:
 - (क) यदि किसी उपक्रम को पूरा या उसके भाग को क्रय करने की प्रस्थापना है तो प्रस्थापित क्रय कीमत, वह आधार जिस पर यह निकाली गई है जिसमें अपनाई गई मूल्यांकन रीति सम्मिलित हो ;
 - (ख) यदि किसी श्रन्य उपक्रम के शेयरों को श्रर्जन करने की प्रस्थापना है तो श्रन्तर्विक्षत शेयरों की संख्या, मूल्यांकन रीति श्रन्य उपक्रम के उन शेयर धारकों को प्रस्थापना किस प्रकार की गई थी जो श्रपनी धितयों को नगद या श्रर्जन करने वाले उपक्रम के शेयरों के विनिमय में विक्रय करने के लिए सहमत हो गए हैं। यदि श्रन्य उपक्रम के सभी शेयर धारकों को प्रस्थापना नहीं की गई थी तो उसके कारण स्पष्ट रूप से उपदिश्वित किए जाने चाहिए।
- 10. उस उपक्रम के कारबार का क्षेत्र, जिसकी श्रांजित किए जाने की प्रस्थापना है, उत्पादित, प्रदत्त, वितरित या श्रन्यथा नियंद्वित माल के प्रकार को या कालावधि के दौरान की गई सेवाशों को, उपदर्शित करते हुए स्वत्वधारियों/भागीदारों/निदेशकों के नाम श्रोर पत श्रीर उपक्रम की पूंजी संरचना, उसके उधारों सहित ।
- 11. कृपया उस उपक्षम द्वारा जिसके श्राजित किए जाने की प्रस्थापना है द्वारा कालावधि के दौरान उत्पादित, प्रदत्त, वितरित या नियंत्रित माल या की गई सेवाश्रों की यथास्थिति माना सीर/या मूल्य उपदिशत करें।
- 12. कृपया यहां उपर्दाशत करें कि प्रस्थापना श्रिधिनियम की धारा 23 की उपधारा (4) को ग्राकृष्ट करती है।
- 13. उस उपक्रम के कारबार का क्षेत्र जो/जिसके प्रस्थापित ग्रर्जन के परिणामस्य रूप छव्भूत होगा/उद्भृत होने की संभावना है।

कृपया निम्नलिखित ब्यौरा दें :

ऋम	माल का विवरण	र्ग्राजित करने वाले	परिणामित उपक्रम	3 र्ग्रार 4 दोनों
संख्या		उपऋम की वर्तमान	की वर्तमान प्राक्क-	स्तंभों के रूप में
	सेवाभ्रों का प्रकार	वार्षिक संस्थापित क्षमता	स्रित संस्थापित क्षमता	प्राक्कलित बाजा र शेयर

- 14. अधिनियम के अधीन उस उनक्रम का नाम, पता, रिजस्ट्रीकरण संख्या, यदि कोई है, जो प्रस्थापित अर्जन के परिणामस्वरुप उद्भूत होगा, श्रन्तःसंसक्त हो जाएगा।
 - 15. उपरोक्त पैरा 14 में निर्दिष्ट ऐसे प्रत्येक अन्तःसंसक्त उपक्रम के कारबार का क्षेत्र।

क्रुपया निम्नलिखित विणिष्टियां दें :

ऋम	उपक्रम का नाम	माल सवाश्रों का	अनुज्ञ ःत क्षमता ,	संम्थापित	कालावधि	के
संख्या		विवर्ण	यदि कोई हो	क्षमता	दौरान	प्रत्येक
					माल/नेवा	का
					भ्रावर्तः	

16. (क) वित्त-स्कीम

कृपया प्रस्थापित म्रर्जन के लिए वित्त-स्कीम से संबंधित पूर्ण ब्यौरा दें।

(ख) वित्त स्त्रोत

- (i) यदि प्रस्थापित विस्तार को उपक्रम के श्रांतरिक स्त्रोतों से वित्त पोपित करने की प्रस्थापना है तो प्रमिततः यह उपवर्शित करें कि निधियां किस रीति से एकक्ष की जाएंगी।
- (ii) यदि कर्जे किसी श्रन्य उपक्रम से, जिसमें श्रन्तः संसक्त उपक्रम सम्मिलित हैं, श्रिभिप्राप्त करने की प्रस्थापना है, तो कृपया निबन्धनों श्रीर शर्तों को, जिसमें ब्याज की दर श्रीर पुनः संदाय सम्मिलित है, विस्तारपूर्वक करें।
- (iii) यदि किसी बैंक या वित्तीय संरथा से उधार लेना ब्राशयित है तो कृपया निबन्धनों ब्रौंर शर्तों जिनमें ब्याज की दर, पुनः संदाय, उधार देने वाली संस्था को ब्रपने नामनिर्देशिती को उपक्रम के प्रबन्ध में नियक्त करने ब्रौर/या कर्जे

या उसके किसी भाग को उपक्रम के साधारण शेयर पूंजी विनिधान में संपरिवर्तन करने का विकल्प, यदि कोई है, वर्णित करें।

- (4) कृपया, यदि कोई विदेशी मुद्रा ग्रन्तर्वेलित है तो, पूर्ण ब्यौरा दें।
- (5) एक पथक विवरण यह दर्शाते हुए संलग्न करे कि---
- (क) उस लेखा वर्ष, जो उस कलेन्डर वर्ष जिसमें आवेदन दिया गया है, से श्रव्यवहित पूर्व कलेन्डर वर्ष के दौरान समाप्त होता है कि भ्रन्तिम दिन को या यदि लेखा तैयार हो गए हैं तो उसके भ्रन्तिम कलेन्डर वर्ष की समाप्ति की तारीख को, उपक्रम की वित्तीय श्रीर नकदी की स्थिति ।
- (ख) यदि नई पूंजी जारी करने की प्रस्थापना है तो जिम्मा लिए जाने वाले शेयरों की बाबन, श्रीर विदेशी सहभागिता, यदि कोई है, श्रीर पब्लिक सेक्टर में त्रितीय संस्थाश्रों को जारी किए गए शेयरों का पूरा क्यौरा।
- (ग) यदि प्रस्थापना में शेयरों का विनियम श्रन्तर्वेलित है तो कृपया वह आधार उपदर्शित करें जिस पर प्रस्थापित विनिमय श्रनुपात निकाला गया है ।
- 17. कोई भ्रन्य सूचना जिसे उपक्रम देना चाहे।
- 18. उपऋम के प्रत्येक वार्षिक लेखा की प्रति ।

र थान	
-तारीख∹−	प्रधान ग्राफिसर के हस्ताक्षर
	स्त्यापन
"मैं क ख———————————————————————————————————	————एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा स्रौर सद्भाव से कथन करता विवरण मेरे सर्वोत्तम कान स्रौर विश्वास के स्रवसार सदी
₹ THE TRANSPORT	विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान श्रौर विश्वास के श्रनुसार सही प्रधान श्राकिसर के हस्ताक्षर
The state of the s	

(भारत गरकार द्वःस भरा जाना है)

श्रावेदन की प्राप्ति की तारीख

प्रापक भ्राफिसर के हस्ताक्षर

तारीख, जिसको सरकार के भादेण श्रावेदक उपक्रम को संसूचित किए गए थे।

ग्राफिसर के हस्ताक्षर

तारीख-----

प्ररूप 5

खाजाना चालान या कैंक रसीद की तारीख

(नियम 8 देखिए)

एकाभिकार तथा निर्बेश्वनकारी ब्यापार प्रथा ग्रविनियम, 1969 निदेशक/भागीदार के रूप में नियुक्ति के लिए केन्द्रीय सरकार को श्रावेदन का प्ररुप

(**टिप्पणी** : ''कालावधि'' से उस कलेन्डर वर्ष ,से श्रव्यवहित पूर्ववर्ती तीन कलेन्डर वर्ष श्रभिप्रेत हैं जिसमें श्रावेदन दिया गया है) ।

- 1. ग्रावेदक का नाम ग्रीर पता।
- 2. उपक्रम, जिसमें म्रावेदक को निदेशक/भागीदार नियुक्त किए जाने की प्रस्थापना है।
 - (क) नाम भ्रौर पता।
 - (ख) ग्रधिनियम के प्रधीन रजिस्ट्रीकरण संख्या, यदि कोई हो । रजिस्ट्रीकरण की तारीख।
 - (ग) विद्यमान पूजी-संरचना——(i)——पब्लिक सेकटर वित्तीय संस्थाम्रों, (ii) बकों, (iii) विदेशियों, (iv) इस उपक्रम से म्रन्तः संसक्त उपक्रमों, (v) साधारण शेयरों के 5 % से म्रनिधिक के धारक म्रन्य व्यक्तियों भीर (vi) साधारण शेयर पूंजी के 51 % को पूर्ण करने के लिए म्रन्य बड़े शेयर धारकों द्वारा धारित साधारण शेयर पूंजी की कुल के प्रति प्रतिमतता। यदि उपक्रम नया उद्यम है तो म्रस्थापित पूंजी संरचना।
 - (घ) श्रन्य निदेशकों/भागीदारों के नाम श्रीर पते जिसमें उनका पारस्परिक श्रीर श्रावेदक के साथ सम्बन्ध, यदि कोई हो, उपदिशति किया गया हो।
 - (ङ) श्रावेदक द्वारा धारित शेयरों की संख्या श्रीर उनका श्रंकित मूल्य/यदि उपक्रम फर्म है तो कुल पूंजी विनिधान में श्रावेदक का श्रंग।
 - (च) उपक्रम में ग्रावेदक ग्रौर उसके नातेदारों की मतदान-शक्ति।
 - (छ) कालावधि के दौरान उत्पादित, प्रदत्त वितरित या श्रन्यथा नियंद्रित प्रमुख उत्पादों में से प्रत्येक के या की गई सेवा में से प्रत्येक के बारे में मान्ना श्रौर मूल्य उपर्दाशत करते हुए क्रियाकलाप के मुख्य क्षेत्र ।
 - (ज) पिछले 3 लेखा वर्षों के दौरान आवर्त, सकल श्रीर उत्पादानुसार दोनों प्रकार से ।
 - (झ) पिछले 3 लेखा वर्षी केदौरान की गई प्रत्येक सेवा का मृत्य।
 - (ङ) प्रत्येक प्रमुख उत्पाद सेवा का बाजार शेयर ।
 - (ट) उपक्रम के पूर्व लेखा वर्ष की ग्रंतिम तारीख को उसकी वित्तीय स्थिति । (पिछले 3 लेखा वर्षों के तुलन-पन्न/लाभ-हानि लेखा में से प्रत्येक की एक प्रतिसंलग्न की जाएगी) ।

- (ठ) उपक्रम को दिए गए या उससे लिए गए कर्जों का क्योरा जिसमें क्यूम्म् की वार्षिक दर श्रोर पिछले लेखा वर्ष की श्रन्तिम तारीख को बकाया रकम स्क्मिलित हो।
- (ड) यदि भ्रावेदक या उसके नातेदारों का उपक्रम से कोई कारवारी स्बंध है तो पूरा ब्यौरा दें जिसमें कारवारी ठहराव का स्वरुप पारिश्रमिक कमीशन, दलाली, छूट जो पिछले तीन लेखा वर्षों के दौरान ली गई हो, श्रावेदक द्वारा कारवार के भ्रनुक्रम में लिए गए श्रग्रिम का स्वरुप श्रौर बकाया समायोजन, यदि कोई हैं, सम्मिलित हो।
- (ঙ) श्रन्तर्वलित श्रम घंटों की मास्ना, श्रावेदक के पारिश्रमिक का ब्यौरा श्रौर उपक्रम में श्रावेदक की स्थिति ।
- उपक्रम, जिनमें श्रावेदक निदेशक/भागीदार है:——
- (क) कृपया प्रत्येक उस उपक्रम के बारें में, जिसमें आवेदक निदेशक/प्रबन्ध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक /प्रबन्धक/ भागीदार है, ऊपर स्तंभ 2 में भागी गई विशिष्टियां । श्रलग-श्रलग दें।
- (ख) ं ऊपर (क) में वर्णित उपक्रमों के बीच श्रन्त:संसर्ग का प्रकार।
- (ग) ऊपर (क) वर्णित प्रत्येक उपक्रम से पिछले तीन लेखा वर्षों के दौरान आवेदक द्वारा लिए गए पारिश्रमिक का ब्यौरा जिसमें कमीशन, दलाली, छूट, संबलम्, बैठक फीस और परिलब्धियां सम्मिलित हो ।
- 4. यदि श्रावेदक किसी साम्पत्तिक समुख्यान का स्वामी है तो नाम श्रौर श्रवस्थिति, विनिहित पूंजी, कारबार का स्वरुप श्रीर ६छर्न तीन वलेण्डर दर्षों के श्रावर्त्त के संबंध में पूरा ब्यौरा दे।
 - प्रस्थापित नियुक्ति के समर्थन में पूर्ण किन्तु संक्षिप्त कारण दें।

स्थान	स्रोवदव	त की	हस्ताक्ष र
तारीख			
सत्यापन			
"मैं, क, ख,		 1 से 5	 में कथित विवरण _्
	आवेदक के	ह्स्ताक्षर	:
(भारः	त सरकार द्वारा	भरा ज	ाना है)

म्रावेदक प्राप्ति की तारीख

प्रापक ग्राफिसर के हस्ताक्षर सारी**ख**—————

2. सारी अ, जिसको सरकार के आदेश आवेदक उपक्रम को संसूचित किए गए थे।

प्रचप 6

(नियम 9 देखिए)

खजाना चालान संख्या या वैंक रसीद की तारीख

एकाधिकार तथा निर्धन्छनकारी व्यापार प्रथा ग्रधितियम, 1969 उपक्रम के रजिस्ट्रीर रण के लिए ग्रायेंबन का प्रवप

(**टिप्पण** : ''कालावधि'' से उस कलेण्डर वर्ष से अब्यवहित पूर्ववर्ती तोन कलेण्डर वर्ष अभिप्रेत ःहैं जिसमें आवेदन किया गया है)।

- 1. उपक्रम का नाम।
- 2(क) रजिस्द्रीकृत कार्यालय

प्रधान कार्यालय

- (ख) कारखाने की ग्रवस्थिति।
- वह तारीख जिसको म्रिधिनियम के प्रध्याय 3 के उपबन्ध उपक्रम को लागु हुए ।
- 4. कारखाना अधिनियम, 1948 के अधीन या किसी राज्य अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण सांख्या, यदि कोई हो।
- 5. स्वामित्व-क्या साम्पत्तिक, भागीदारी, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है या लोक लिमिटेड कंपनी है ?
 - 6. कृपया उपदर्शित करें ---
 - (i) यदि उपक्रम साम्पत्तिक समुत्थान है तो :--
 - (क) स्वत्वधारी /स्वत्वधारियों का/के नाम श्रोर उसका/उनके पता/पते ।
 - (ख) उपर्युक्त (क) के सामने दर्णित व्यक्तियों द्वारा किसी श्रन्तः संसक्त उपक्रम ग्रौर किसी ग्रन्य उपक्रम में धारित स्वत्वधारिताग्रों, भागोदारियों या निदेशकताग्रों का पूरा ब्यौरा।
 - (ग) उपक्रम की पूजी-संरचना/प्रस्थापित पूजी-संरचना ।
 - (घ) प्रत्येक स्वत्वधारी/नातेदार द्वारा किया गया विनिधान ।
 - (ङ) सभी अन्तः संसक्त उपक्रमों की पूंजी संरचना (जिसमें डिवेंचर और उधार सम्मिलित हैं) और ेसे प्रत्येक उपक्रम में स्वत्वधारियों/नातेदारों में से प्रत्येक वारा किया गया विनिधान ।
 - (च) श्रन्य उपक्रमों की, जिनमें स्वत्वधारियों/नातेदारों ने पूंजी का विनिधान किया
 हैं, पूजी-संरचना (जिसमें डिबेंचर श्रौर उधार सम्मिलित हैं) श्रौर प्रत्येक मामले
 में विनिधान का परिमाण।

- (छ) उपक्रम में और भ्रन्तः संसक्त उपक्रम में विदेशो सहमागिता, यदि कोई हो, का पूरा ब्यौरा, जिसमें विदेशी सहभागिता के निबन्धन भ्रौर ऐसी सहभागिता के निबन्धन भ्रौर उसकी शर्ते उपदर्शित की गई हों।
- (ज) उधारों का पूरा ब्यौरा, जिसमें श्रनुसूचित बैंकों श्रौर पब्लिक सैक्टर में वित्तीय संस्थाश्रों से, नामों श्रौर रकमों सहित, ली गई उधारों को विनिर्दिष्टतः उपदिशितः किया गया हो । तत्समान ब्यौरा श्रन्तः संसक्त उपक्रमों के बारें में भी दिया जाना चाहिए ।
- (।।) यदि उपक्रम भागीदारी फर्म है तो :--
 - (क) भागीदगरों के नाम श्रीर उनके पते,
 - (ख) भागीदारों श्रीर उनके नातेदारों के संबंध में उपर्युक्त (।) में (ख) से (ज) तक के रूप में पूरा ब्यौरा।
- (।।।) यदि उपक्रम निगमित निकाय है तो :--
 - (क) निदेशकों, जिनमें प्रबन्ध/पूर्णकालिक निदेशक श्रीर प्रबन्धक, यदि कोई हो, भी सम्मिलित हैं, के नाम श्रीर पते ।
 - (ख) निदेशकों,प्रबन्धक श्रौर उनके नातेदारों द्वारा श्रन्य उपक्रमों में धारित स्वत्वधारितास्रो, भागीदारियों श्रौर निदेशकताश्रों का पूरा ब्यौरा ; उपक्रमों के बीच श्रन्तः संसर्ग, यदि कोई हो तो, बनाया जाना चाहिए ।
 - (ग) निगमित निकाय की पूंजी संरचना, जिसमें वह यह दिश्वत हो कि शेयर पूंजी किस प्रकार बनी है। अनुसूचित बैंकों, पिंबलक सैंक्टर में की विलीय संस्थाओं, विवेशियों, अन्तः संसक्त उपक्रमों और 5% से श्रधिक मतदान-शक्त बाले अन्य शेयर धारकों द्वारा धारित साधारण और अधिमान दोनों शेयरों के संबंध में श्रलग-श्रलग पूरा ब्यौरा भी दें। यदि इस ब्यौरे में 51% साधारण श्रेयर पूजी नहीं स्नाती तो कृपया 51% तक पूरा करने के लिये अन्य बड़े शेयरधारकों का ब्यौरा दें। ऊपर स्तम्भ 1 में विणत उपक्रम से श्रन्तः संसक्त उपक्रमों में संबंधित तत्समान जानकारी पृथक विवरण में दी जा सकती है।
 - (ध) डिबेंचर फ्रोर उधार, यदि कोई हो । पब्लिक सैक्टर में की वित्तीय संस्थाश्रों, प्रनुसूचित बैकों, विदेशियों भ्रौर भ्रन्त : संसक्त उपक्रमों को जारी किए गए डिबेंचरों भ्रौर उनसे लिए गए कर्जों का पूरा ब्यौरा दीजिए । कर्जों के निबन्धन भ्रौर उनकी भर्तें । उपर स्तम्भ 1 में विणित उपक्रम से भ्रन्त : संसक्त उपक्रमों से संबंधित तत्समान जानकारी ।
 - (ङ) निगमित निकाय में शेयरधारिता (श्रिधमान श्रीर साधारण) का स्वरुप 1 (इसमें (1)प्रत्येक निदेशक, प्रबन्धक श्रीर उनके नातेदारों में से प्रत्येक की मतदान-शक्ति की प्रतिशतता श्रीर (॥)उन समूहों की मतदान-शक्ति श्रीर विशिष्टियां जिनमें से प्रत्येक की मतदान-शक्ति 5% या उसमें श्रिधक है, सम्मिलित होनी चाहिए) ।
 - (च) प्रत्येक श्रन्तः संसक्त उपक्रम की पूंजी-संरचना श्रीर ऐसे प्रत्येक उपक्रम मे प्रत्येक निदेशक, प्रबन्धक श्रीर उनके नातेवारों में से प्रत्येक द्वारा धारित शेयरों

की संख्या/विनिहित प्ंजी जिसमें निदेशकों भौर उनके नातेवारों की सम्मिलित मतदान शक्ति भी सम्मिलित है।

- (छ) यदि किसी निदेशक, प्रबन्धक या ऐसे निदेशक, प्रवन्धक के किसी नातेदार का किसी उपक्रम में, भले ही वह भ्रन्त : संसक्त हो या न हो, कोई वित्तीय या भ्रन्य हित हो तो पूरा ब्यौरा दिया जाए ।
- 7. यदि उपक्रम ने कोई विदेशी सहयोग करार किया है, तो क्रुपया ब्यौरा दें । (करार/करारों ेकी एक प्रति भी संलग्न की आए)
 - क्रुपया उपदिशात करें:---
 - (i) यदि अधितियम की धारा 20 के खण्ड (क) (i) की सीमा में आने वाला एकल उपक्रम हो तो इसकी आस्तियों का मृल्य।
 - (ii) यदि उपक्रम ग्रधिनियम की धारा 20 के खण्ड (क) (ii) के श्रन्तर्गत न्नाता हो, तो इसकी ग्रास्तियों का मूल्य श्रौर इससे श्रन्त : संसक्त प्रत्येक उपक्रम की ग्रास्तियों का मूल्य ।
 - (iii) यदि उपक्रम ग्रिधिनियम की धारा 20 के खण्ड (ख) (i) की सीमा में ग्राने वाला एकल ग्रिधिप्ठायी उपक्रम हो तो :--
 - (क) इसकी ग्रास्तियों का मुल्य।
 - '(ख) कालावधि के दौरान इसके द्वारा उत्पादित, प्रदत्त, वितरित या श्रन्यथा नियंत्रित माल का मूल्य, उसकी लागत, कीमत, माला या, जैसी भी स्थिति हो, हैसियत या की गई सेवाश्रों का मौट्रिक मूल्य।
 - (4) यदि उपक्रम ग्रिधिनियम की धारा 20 के खण्ड $(a)\cdot (i)$ के ग्रन्तर्गत भ्राता हो तो—
 - (क) इसकी श्रास्तियों का मूल्य
 - (ख) इससे प्रन्त : संसक्त प्रत्येक उपऋम की भ्रास्तियों का मृत्य
 - (ग) कालाविधि के दौरान उपक्रम द्वारा और इससे अन्त : संसक्त प्रत्येक उपक्रम द्वारा उत्पादित, प्रदत्त, वितरित या श्रन्यथा नियंत्रित माल का मूल्य, उसकी लागत, कीमत, मात्रा या, जैसी भी स्थिति हो, हैसियत या की गई सेवाग्रों का मौद्रिक मूल्य।

कालाविधि के दौरान प्रत्येक लेखाक/लेन्डर वर्ष के दौरान नियोजित कर्मकारों की संख्या ।

- 10. यदि उस/उन भौगोलिक क्षेत्र/क्षेत्रों को पहचानना सम्भव है, जिसमें/जिनमें उत्पादित प्रदत्त, वितरित या ग्रन्यथा नियंत्रित माल सामान्यतः बैचा जाता है या जिसमें सेवा की जाती है, तो कृपया कालाविधि के दौरान इस प्रकार बाजार में लाए गए माल और की गई सेवाग्रों की माला ग्रौर उनका मत्य उपदिश्वित करते हुए क्षेत्र/क्षेत्रों को विनिर्दिष्ट करें।
- 11. कालाविध के दौरान प्रत्येक प्रकार के उत्पादित, प्रदत्त, वितरित या अन्यथा नियंत्रित माल या की गई प्रत्येक प्रकार की सेवा के बारे में (क) उपक्रम और (ख) इससे भ्रन्त: संसक्त उपक्रमों का बाजार शेयर।

- 12. (क) उपक्रम ग्रीर (ख) इसमे श्रन्तः संस≆त उपक्रमों को श्रनुज्ञश्त श्रीर संस्थापित क्षमता।
- 13. क्या अनुज्ञप्त और संस्थापित क्षमता का पूरी तरह उपयोग किया गया है ? यदि नहीं, तो उसके कारण ।
 - 14. पारियों की संख्या :--
 - (क) यदि अनुजन्त क्षमता पारी प्रवर्तन के आधार पर दिशत की गई है, तो अनुजन्त पारियों की संख्या और कालाविध के दौरान चलाई गई पारियों की संख्या । प्रत्येक लेखा/कलेण्डर वर्ष के श्रांकड़े पृथक-पृथक होने चाहिए ।
 - (ख) यदि श्रनुक्रप्त क्षमता पारी प्रवर्तन के श्राधार पर दिशत नहीं की गई है, या यदि कोई प्राधिकृत या श्रनुक्रप्त क्षमता नहीं है, तो उस उद्योग में साध्य श्रधिकृतम पारी प्ररिवर्तन श्रीर कालाविधि के दौरान प्रत्येक लेखा/कलेण्डर वर्ष के दौरान चलाई गई पारियों की वास्तविक संख्या।
- 15. कुपया यह दर्शाते हुए कि कैसे और किस प्रकार उपक्रम अन्य उपक्रमों से अन्त : संसक्त है एक विवरण संलग्न करें।

प्रधान श्राफिसर के हस्ताक्षर

(भारत सरकार द्वारा भरा जाना है)

- 1. भ्रावेदन प्राप्ति की तारीख
- 2. रजिस्ट्रीकरण की तारीख
- 3. रजिस्ट्रीकरण संख्या

भ्रौर विश्वास के श्रनसार सही है।"

4. उपक्रम को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपद्म जारी करने की तारीख

प्राप्तकर्ता ग्रधिकारी के हस्ताक्षर

प्ररूप 7 (नियम 9 (4) देखिए)

संख्या

भारत सरकार

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली, ----19

प्रमाणित किया जाता है कि उस उपक्रम को, जिसकी विशिष्टियां नीचे विनिर्विष्ट की गई है, अ।ज दिन, एकाधिकार और निर्वेन्धकारी ब्यापार तथा ग्रिष्ठिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (2) के ग्रिधीन रखे गए रजिस्टर में दर्ज कर लिया गया है।

विशिष्टियां

- 1. उपऋम का नाम
- 2. पता
- 3. स्वत्वधारियों या भागीदारों या संप्रवर्तकों या निदेशकों के नाम ।
- 4. रजिस्ट्रीकरण संख्या

हस्ताक्षर

विभाग की मद्रा [सं० 1/1/70—स०(प)] जी० ए० शाह, संयुक्त सचिव ।

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

CORRIGENDUM

New Delhi, the 31st July 1970

G.S.R. 1158.—In column 12 of the Schedule to the Department of Company Law Administration (Classes I, II and III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970, published as notification No. G.S.R. 1047 dated 8th June, 1970 at pages 2485-2487 of Part II, Section 3, sub-section (1) of the Gazette of India dated 18th July, 1970.

For "Class III Departmental Promotion Committee."

Read "Class II Departmental Promotion Committee".

[No. A-12018/2/70-Admn. I.] S. S. SINGH, Under Secy.

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING AND WORKS, HOUSING

AND URBAN DEVELOPMENT

(Department of Works, Housing and Urban Development) (Works Division)

New Delhi, the 4th July 1970

- G.S.R. 1159—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment of the posts of Horticultural Officers in the Engineering Department Chandigarh, namely:—
- 1. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Engineering Department Chandigarh (Horticultural Officers) Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, educational qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes and other categories in accordance with the general or special instructions issued by the Central Government from time to time.

- 5. Disqualifications.—No person:—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

post

SCHE

Recruitment Rules for Horticultural Officers in

Name of Post No. of Classi-Posts fication Scale of pay Whether

Age for Selection direct post or recruits non-Selection

Educational and other qualifications required for direct recruits.

Ι 2 4

5

6

40 уеагв

7

One General Executive Central Engineer Horticulture

Services Class I Gazetted.

3

Rs. 625-40-Selection 1025-50pest 1275.

and below (Relaxable for Goveroment Servants)

Essential Agriculture (i) Degree in or Botany with Horticulture as a special

subject of a recognised

University or couival-ent diploma in Horti-

culture of a recognised University/Institutions.

- (ii) About 10 years total experience in Horticulture including ornamental gardening ranging over various fields of Horticulture.
- (jii) Adequate Administrative experience. (Qualifications relaxab e at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified)

- Officer (Asistant Executive Engineer, Horticulture)
- 2. Landscaping One General Rs. 350-40-Selection Central 950-50post *Service 1200. Class I

Gazetted.

35 years and below (Relaxable for Government Servants).

Essential:

(i) Degree in Agriculture or Botany with Horticulture as a special subject of a recognised University or equiva-lent diploma in Horticulture of a recognised University or Institution.

(ii) About 7 years total experience in Horticulture including ornamental gardening ranging over various fields of Horticulture.

DULE.

the Engineering Department Chandigarh

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees

Period of Method of probation, rectt. whether ifanv by direct rectt. or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies

In case of rectt, by promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/ deputation/ transfer to be made

If a DPC exists what is its composition

Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.

8

9

2 years

10

to be filled by various methods

ΤI

Т2

13

Age No Qualification yes.

Transfer on deputation or promotion

failing which by direct recruitment, the selection, being made in consultation with the Union Public Service Commission.

Transfer on deputation or promotion

Officers holding analogous posts under the Central Government or State Governments posacasing qualifications prescribed in Col. 7 Landscaping officer in the Department of Engineering Organisa-tion Chandigarh, with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis will also he considered. If a departmental Officer mentioned above is selected for appointment to the post it will be treated as having been filled by 'Promotion'.

Class I Departmental Promotion Committee

required A٩ under the Pub-UnionService lic Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958 read with provisions Col. 10.

(Period of deputationordinarily not exceeding 3 years).

Age. No. Qualification Yes

2 years

failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.

By promotion Promotion Landscaping Assistant Officer with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.

Class I Departmental Promotion Committee.

А٤ required under the Union Public Service Commission. (Ex-emption from Consultation) Regulations, 1958.

Transfer on deputation

"Officers holding analogous posts under the Central Government or State Governments possessing qualifications prescribed in Col. 7."

I 2 6 7 3 4 5

- Adminis-1ii) Adequate trative Experience.
 - (Qualification relaxable Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

Essential:

Assistant Two General Landscaping Officer Sub-Divisional Eng neer, Horticulture

Central Service Class II Gazetted Non-M nisterial

Rs. 250-25-550-25-750 Selection 35 years post and below ment Servants.

- (i) Degree in Agricul-ture or Botany with (Relayable Horticulture as special for Govern-subject of a recognised University or equivalent diploma in Horticulture of arecognised University or institution.
 - (ii) About 3 years totalexperience in Horticulture including ornamental gardening ranging over various fields of Horticulture.
 - (i i) Adequate Admir.isexperience. trative
 - (Qualification relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise will qual fied).

[No. 25021(8)/69-EW.] S. N. BANERJI, Dy. Secy.

स्वास्थ्य ग्राँर परिवार नियोजन स्था निर्माण, ग्रावास ग्रीर नगर-विकास मंत्रा त्य

(निर्माण, ग्रावास ग्रेंर नगर-विकास विभाग)

(निर्माण प्रभाग)

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1970

सा० का० नि० 1159 .--संविधान के प्रतुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति इंजीनियरिंग विभाग चण्डीगढ़ में उद्यान कृषि प्रधिकारी के पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथात :---

- 1. संक्षिप्त नाम ग्रें र प्रारम्भ .— (1) ये नियम इंजीनियरिंग विभाग चण्डीगढ़ (उद्यान कृषि घिषकारी) भर्ती नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये शासकीय राजयत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत होंगे।
- 2. लागू होना .--ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध श्रनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।
- 3. पद्दों की संख्या, वर्गीकरण और वेतस्मान .--पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण श्रीर उनसे संख्यन वेतनमान वे होगे जो उक्त श्रनुसूची के स्तंभ 3 से लेकर 5 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, श्रायु सीमा, शैंकियः श्रह्ति एं .--भर्ती की पद्धति, श्राय सीमा, श्रह्ताएं श्रीर उनसे संबद्ध श्रन्य बातें वे होंगी जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 6 से लेकर 14 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु भ्रनुसूचित जातियों या भ्रनुसूचित जनजातियों भौर भ्रन्य प्रवर्गों के भ्रभ्यियों की दशा में उक्त भ्रनुसूची के स्तम्भ 7 में विनिर्दिष्ट उच्चतम भ्रायु सीमा समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए साधारण या विशेष भ्रनुदेशों के भ्रनुसार शिथिल की जा सकेंगी।

- 5. भिरहंताएं .--वह व्यक्ति :---
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति ने जिसका पति या पत्नी जीवित है विवाह किया है, या
- (ख) जिसने, पित या पत्नी के जिवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है, इन पदों पर नियुक्ति का पान्न नहीं होंगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति श्रौर विवाह के ग्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के ग्रधीन श्रनुक्रोय है श्रौर ऐसा करने के लिए ग्रन्य ग्राधारः मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है। 6. शियल करने भी शिक्त .— जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या सभीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेख बद्ध किए जायेंगे, और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपवन्धों में से किसी की भी शिथिल कर सकेगी।

 क० सं०	पद का नाम	पदों की सं०	वर्गीकरण वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रवरण पद है श्रथवा श्रप्रवरण	इंजीनियरिंग वि ————————————————————————————————————	भग चण्डीगढ़ में उद्यान ————————————————————————————————————
1	2	3	4	5	पद 6	7	8
		 एक	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 राज- पन्नित	625-40- 1025-50- 1275 長o	प्रवरण पद	40 वर्ष ग्रौर उससे कम (सरकारी सेवकों के लिए ग्रिथिल की जा सकती हैं)।	मावः यकः : (i) मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से कृषि या विशेष विषय के रूप में उद्यान कृषि के साथ वनस्पति विज्ञान में डिग्री या मान्यता- प्राप्त किसी विश्व- विद्यालय/संस्था से उद्यान कृषि में सम- तुल्य डिप्लोमा। (ii) उद्यान कृषि में लगभग 10 वर्ष का कुल प्रनुभव जिसमें उद्यान कृषि के वि- भिन्न क्षेतों में प्राने वाली सजावटी बाग- वानी सम्मिलत है। (iii) पर्याप्त प्रशास- निक प्रनुभव । (ग्रन्थथा सुप्राहित ग्रभ्यथियों की दशा में प्रहेताएं प्रायोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है)।

सूची कृषि श्रधिकारी के लिए भर्ती नियम

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ भर्ती की पद्धति, यदि विभा-वे परिस्थि-क्या सीधी परि-गीय प्रोन्नति तियां जिनमें ग्रन्तरण द्वारा भर्तीकी भर्ती वालों क्या भर्ती सीधी वीक्षा समिति विद्य- भर्ती करने में होगी या प्रोन्नति द्यमामें वे श्रोणियां के लिए वि-की द्वारा या प्रति-जिनसे प्रोन्नति/प्रति-मान है तो संघ लोक हित प्राय काला-नियक्ति/भ्रन्तरण किया निय्क्ति/ग्रन्तरण उसकी संर-ग्रीर गैक्षिक वधि सेवा श्रामीग जाना है चनाक्या है से परामर्श ग्रहंसाएं प्रो-यदि द्वारा तथा विभिन्न किया जाना न्नतों की दशा कोई हो पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिन्तियों है में लागू होंगी की प्रतिशतता 12 13 14 10 9 11 प्रतिनियुक्ति पर ग्रान्तरसा वर्ग 1 वि-म्रायु-⊬नही 2 वर्ष प्रतिनियुक्ति या जैसा स्तभ प्र**ह**ताएं~हां या प्रोम्बति : भागीय प्रो-प्रोन्नित पर ग्रन्त-10 के उप-न्नति समिति बंधों के साथ रण जिसके नही स्तंभ 8 में विहित श्रर्श-सकने पर मंघ लोक ताएं रखने वाले केन्द्रीय पठित संच सेवा प्रायोग के सरकार या राज्य लोक संवा परामर्श से सीधी सरकार के ग्रधीन श्रायोग (परा-भर्ती द्वारा। सदृश पद घारण करने मर्श से छुट) वाले प्रधिकारी/इंजी-विनियम, नियरिंग संगठन विभाग 1958 के चण्डीगढ़ में ऐसे स्थल ग्रधीन ग्रपे-वश्य निर्माण ग्रधि-क्षित है। कारी के बारे में भी विचार किया जाएगा जिस ने नियमित म्राधार पर नियुक्ति के पश्चात उस श्रेणी में 3 वर्षकी सेवाकी हो, यदि ऊपर वर्णित कोई विभागीय घ्रधि-कारी का, पद पर नियुक्ति के लिए चयन किया जाता है तो यह पद 'प्रोन्नति' द्वारा भरा गया माना जाएगा, (प्रतिनियुक्ति की,

प्रवरण

पद

1 2 3 4 5 6 7

2. स्थल-1 साधारण 350-40-दुश्य-निर्माण केन्द्रीय सेवा 950-50-ग्रधिकारी वर्ग 1 राज-1200 ই০ पवित (सहायक कार्यपालक इंजीनियर उद्यान-कृषि)

35 वर्ष ग्रीर उस से कम ((सरकारी सेवकों के लिए ग्रिथिल की जा सकती हैं।)

(i) मान्यता प्राप्त किसी
विश्वविद्यालय से कृषि
या विशेष विषय के
रूप में उद्यान कृषि के
साथ वनस्पति विज्ञान
में डिग्री या मान्यताप्राप्त किसी विश्वविद्यालय या संस्था से
उद्यान-कृषि में सम-

धावश्यक :

(ii) उद्यान कृषि में लगभग 7 वर्ष का कुल प्रनुभव जिसमें उद्यान-कृषि के वि-भिन्न क्षेत्रों में भाने वाली सजावटी, बाग-वानी तम्मिलित है।

तुल्य डिप्लोमा ।

(iii) पर्याप्त प्रशास-तिक अनुभव । (अन्यथा सुअहित अभ्याचियों की दशा में अहं ताएं आयोग के विवेकामुक्तार शिथिल की जा सकती है) ।

10 11 9

2 वर्ष

12

13

14

कालावधि सामान्यतः 3 वर्ष से ग्रधिक नहीं होगी)।

ग्राय-नही ग्रर्हताएं-हां

के न हो सकने पर प्रतिनिय्क्ति पर श्रन्तरण द्वारा श्रीर दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति द्वारा जिस प्रोन्नति : सहायक स्थल- वर्ग 1 विभा- जैसा संय दृश्य-निर्माण प्रधिकारी गीय प्रोन्नति जिस ने उस श्रेणी में समिति । नियक्ति के पश्चात 5 वर्ष की सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर ग्रन्सरगः स्तभ 8म विहित म्रहंताएं रखने वाले केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार श्रधीन सदश पद धारण करने वाले ग्रधिकारी । (प्रतिनियुनित कालाबधि सामान्यतः 3 वर्ष से घधिक नहीं होगी)।

लोक सेवा भ्रायोग (परामर्श से छूट) विनि-यम, 1958 के स्रधीन श्रपेक्षित है

							
1	2	3	4	5	6	7	8
	ः सहायक स्थल-दृश्य निर्माण श्रधिकारी (उपमंडल इंजीनियर उद्यान-कृषि	2	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग II राज- पक्षित ध्रननु- सचिवीय	250-25- 550-25- 750 %	%प्रावरण पद	35 वर्ष श्रौर उस से कम (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)	

की जा सकती है।)

Sec. 3(i)]	THE GA	ZETTE OF IND	IA: AUGUST 15, 1	970/SRAVANA	24, 1892 2825
9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सोधो भर्ती द्वारा	लागू नहीं दोता	लागू नहीं होता	जैसा संध लोक सेवा श्रायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के श्रधीन ग्रपे- क्षित है।

[मं॰ 25021 (8) /69-ई॰ डबल्यू॰] एम ॰ एन॰ बनर्जी, उप सिश्वि ।

(Department of Health)

New Delhi, the 29th July 1970

- G.S.R. 1160.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development (Departments of Health and Family Planning) (Class IV posts) Recruitment Rules, 1969, namely:—
- 1. (i) These rules may be called the Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development (Departments of Health and Family Planning) (Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development (Departments of Health and Family Planning) (Class IV. posts) Recruitment Rules, 1969:—
 - (1) for rule 6 the following rule shall be substituted namely:—
 - "6 Disqualifications-No person,-
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or;
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of these rules";

(2) in the Schedule, in column 8, the oblique and words "Departmental promotion" occurring in the heading, shall be omitted.

[No. F.8-15/67-E.G.1

RAMESH BAHADUR, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1970

जो**्एस॰ म्रार॰** 1160.—संविधान के ग्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, ग्रावास एवं नगर विकास मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग ग्रौर परिवार नियोजन विभाग) (चतुर्थ श्रेणी के पद) भर्ती नियमावली, 1969 को संशोधित करने के लिए एतदद्वारा निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, नामतः :—

- (i) ये नियम स्वास्थ्य श्रौर परिवार नियोजन श्रौर निर्माण, श्रावास एवं निगर विकास मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग श्रौर परिवार नियोजन विभाग) (चतुर्थ श्रेणी के पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1970 कहलाएंगे।
 - (ii) ये सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तारीख को लागू होंगे।
- 2. स्वास्थ्य ग्रौर परिवार नियोजन ग्रौर निर्माण, ग्रावास एवं नगर विकास मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग ग्रौर परिवार नियोजन विभाग) (चतुर्थ श्रेणी के पद) भर्ती नियमावली, 1969 में (1) नियम के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, नामसः —
- "6. श्रनर्हताएं -(क) वह व्यक्ति जिसने कि किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हुन्ना श्रथवा विवाह की निविदा की हो जिसकी कि एक पत्नी जीवित हो/जिसका कि एक पति जीवित हो, उक्त सेवा में नियुक्ति का पान्न नहीं होगा।

(ख) वह व्यक्ति जिसने कि एक पति / पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह की निविदा की हो उक्त सेवा में नियुक्ति का पान्न नहीं होगा ।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति की स्रौर विवाह के दूसरे पक्षकार को लागू होंने वाली स्कीम - विधि के अधीन प्रनुज्ञेय हैं भौर ऐसा करने के ग्रन्य श्राधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इन नियमों के लागू होने की छुट दे सकती है "।

(2) अनुसूची में, कालम 8 में शीर्षक में उल्लिखित तिर्यक रेखा और ''विभागीय पदोन्नति'' शब्द हटा दिए जायेंगे।

[सं० 8-15/67-स्थापना (सामान्य)] रमेश बहादुर,

श्रवर सचिव, भारत सरकार ।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 24th July 1970

G.S.R. 1161.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 30t of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class II posts) Recruitment Rules, 1962 namely:—

- (1) These rules may be called the All India Radio (Class II posts) Recruitment (3rd Amendment) Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the All India Radio (Class II posts) Recruitment Rules, 1962 after Serial No. 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely:—

SCHE

Recruitment Rules for the post of Extension Officer

\$1. N⊃.	Name of Post	Class fi- cation	Scale of pay	Selection	Age for direct recruitment	onal and qual fications for direct

6 8 7 5 2 3

22 Extension Officer

22 General Rs. 400— Selection 35 years 25—500— 30—590— Central | Service ĖB—30— Class II 800 -EB-Gazetted 30—830— 35—900 Non-Min ster'al.

Essential: and below

(Relaxable

for Go-

vernment

servan's).

() Bachelor's degree with Social Science as one of the subjects or a degree in Education or Nursing or Jour-nalism from a recognised University or equivalent qualification.

(ii) Training

- Health Education or Social Education or Mass Communication or Audio Visual Education or Paplic Relations. (iii) About 5 years practical experience in educational aspects of family planning or in training or research in Public Health Programme.
 - (Qualificatoins re-laxable at Comm'ssion's d'scretion in case of candidates other w'se well qual fied).

Desirable:

(1) Post-graduate qual fications in Health Education e.g. Diploma in Health Education. production

(ii) Experience in and use of Health education materials such as pamphlets, posters, film-strips, exhibits etc.

TUT P

In All India Radio

Whether Period of proba-tion, if age and educational qualificaany. tions prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.

In case of recruitment by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/ transfer to be made.

If a DPC exists, what is its composition.

Circumstances in which UPSC is to bé consulted in making recruitment

9

IO

ΙI

12

13

14

No 2 years 50 per cent by pro- Promotion motion which by transfer on deputation and direct recruitment. 50 percent by direct recruitment.

failing Field Reporters with 5 years approved service in the grade. falling both by Transfer on deputation Officers from the Central or State Governments engaged in Family Planning and

> of Rs. 325-575 or equivalent. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3

vears).

Health Education

work and with 5

years service in posts in the scale

Class II Departmental Promotion Committee.

As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

THE GAZETTE	OF INDIA: A	UGUST 15, 1970	O/SRAVANA	24, 1892	Part 1
3	4	5	6	7	8
				(iii) Know one of the languages to the rec of each po	(accord quirem

11 01 9

12

13

14

[No. 7/2/68-B(A)]

A. V. NARAYANAN, Under Secy.

सूत्रना घोर प्रसारण मंत्रा ध

नई दिल्ली, 24 ज्लाई, 1970

जी॰ एस॰ ग्रार॰ 1161.—संविधान के श्रनु च्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा श्राकाणावाणी (द्वितीय श्रेणी पद) भर्ती नियमावलो, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :——

- (1) इन नियमों को आकाशवाणी (द्वितीय श्रेणी पद) भर्ती (तृतीय संशोधन) नियमा-वली, 1970 कहा जा सकेगा।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने को तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 ग्राकाशवाणी (द्वितीय श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1962 के परिशिष्ट में क्रमसंख्या 21 तथा इस से सम्बन्धित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित जोड दिया जाए:---

परिशिष्ट

ग्राकाशवाणी महानिवेशालय, सूचना ग्रौर प्रसारण मन्त्रालय में विस्तार ग्रधिकारी के पद के लिए भर्ती नियम ।

कम संख्या	पच पद्यों की का संख्या नाम	वर्गीकरण	ī	पद का वेसनमान	सेलेक्शन पद है मा गैर सैलक्शन पद हैं।
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
22 विस्तार श्रधिका	री 22	=	केन्द्रीय सेवा श्रेणा भ्रराज- लिपिक वर्गीय	400-25-500 30-590-द० ग्र०-30-800- द०ग्र०-30- 830-35-90 ह्रप्ये	सैलेक्शन 00

सीधी भर्ती के लिए सायु

सीधी भर्ती के लिए गैज्ञग्गिक तथा श्रन्थ श्रहेताएं क्या सीधी भर्ती द्वारा लिए जाने वालों के लिए निर्धा-रित श्रायु ऑप गैक्षणिक श्रह्ति।ए पदोन्नत होने व लों पर भी लागृ होंगी

(7)

(8)

(9)

35 वर्ष तथा इससे कम (सरकारी कर्मचारियो के लिए-इसमें छूट दी जा जा सकती है)।

भ्रा≀व्दाः :---

- (1) भान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से नामजिक विज्ञान के विषय के साथ स्नातक की उपाधि श्रथवा शिक्षा या निर्मागया पत्रकारिना की डिग्री या इसके समकक्ष ।
- (2) स्वास्थ्यशिक्षायासमजिकशिक्षा याजन संचार या श्रद्य दृश्य णिक्षायाजन सम्पर्कसंप्रशिक्षण।
- (3) परिवार नियोजन के क्षेक्षणिक पहलुश्रों में या जन स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रशिक्षण या श्रनुसंधान का लगभग 5 वर्ष का व्यावहारिक श्रनुभव।

(योग्य उम्मीदवार अन्यथा सुयोग्य हो तो श्रायोग अपने विवेक से इन अर्हताश्रों में छूट दे सकता है)।

वांछ् रीय:--

 (1) स्वास्थ्य णिक्षा में स्नातकोत्तर की योग्यता अर्थात स्वास्थ्य णिक्षा में डिप्लोमा । नही

7

8

9

- (2) स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री जैसे फिल्म पुस्तिकाए, पोस्ट , स्ट्रिप्स, पर्देशनी वस्तुएं श्रादि तयार करने तथा उन्हें इस्तेमाल करने का ग्रनुभव ।
- (3) किसी एक प्रादेशिक भाषा की जानकारी (प्रत्येक दकी ग्रावश्यक-ताग्नों के ग्रनुसार)।

परिवोक्षाधीन स्रवधि, यदि हो भती पद्धाः क्या सीधी भर्ती द्वारा या
पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियम्ति/
बदली द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों
द्वारा भरे जाने वाली रिक्तियों की

यदि भर्ती पदे न्नित/प्रति-नियुक्ति/बदली द्वारा हो तो किन ग्रेडों से पदोन्नित/प्रति-नियुक्ति/बदली की जानी है

(10)

(11)

(12)

2 वर्ष

50 प्रतिमत पदोभति द्वारा, यह न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और इन दोनों के न होने पर

सीधी भर्ती द्वारा/50 प्रतिशत सोधो भर्ती द्वारा । पदोन्मति : वे फील्ड रिपोर्टर जिनकी

व फाल्ड रिपाटर जिनका ग्रेड में 5 वर्ष की स्वीकृत सेवा हो ।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्धरणः केन्द्रीय या राज्य सरकारों के वे प्रधिकारी जो परिवार नियोजन तथा स्वास्थ्य शिक्षा के कार्य में लगे हों छोर जिनकी 325-575 रूपये के स्केल वाले पदों या इसके मामकक्ष पदों पर 5 वर्ष की सेवा हो । (प्रतिनियुक्ति की प्रविध सामान्यतः 3 वर्ष से प्रधिक की नहीं होगी)।

यदि विभागीय पद अति मिनित हो, तो उसका किन परिस्थितियों में भर्नी के लिए संघ लोक सेवा प्रायोग से सलाह लेनी है

(13)

(14)

विनीय श्रेणी विभागीय पदोन्नित सिनित । जैमा कि पंघ लोक सेवा ग्रायोग (परामणं से छूट)
नियमावली, 1958 के भन्तर्गत श्र्पोक्षत है।

[संख्या 7/2/68—बी० $(ext{ए})$]

ए० बी० बारायणकः

श्रवर स∂चव ।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 27th July 1970

- G.S.R. 1162.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Secretary in the Board of Arbitration (Joint Consultative Machinery) under the Department of Labour and Employment, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Board of Arbitration (Joint Consultative Machinery) Secretary Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
- 2. **Application.**—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.
 - 5. Disqualifications.—No person,
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

ment Rules and Regulations.

DULE					
Whether age and Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees.		ther by direct rectt. or by	In case of rectt. by promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/deputation/ transfer to be made	what is	Circumstances in which UPSC is to be cons- ulted in mak- ing recruit- ment
8	9	10	II	12	13
Not applicable	Γwo years	By tranfer on deputation failing which by direct recruitment	n (i) Officer belonging to	3	As required under the Union Public Service Commission(Exemption from Consultation) Regulations 1958.

[No. 35/10/69-LWI(1)]

K. D. HAJELA, Under Secy.

अन, रोजगार ग्रेर पुनर्वास मंत्राःय (अम ग्रेर रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1970

सा०का (० वि 1162 -- नं विधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति श्रम और रोजगार विभाग के अधीन माध्यस्थम् बोर्ड (संयुक्त परामर्श नंत्र) में सचिव के पद पर भर्ती को पद्धक्ति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात:-

- ा संक्षिप्त नाम ग्रॅंर प्रारम्भ : (1) ये नियम माध्यस्थम् बोर्ड (संयुक्त परामर्श तंत्र) सचिव भर्ती नियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।
 - (2) ये मासकोय राजपत्न में श्रपने प्रकाशनकी तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. लागू होता: ये निवम इन नियमों से उपायद्ध अनुसूची के स्तम्भ । में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे ।

- 3. संख्या, वर्गीकरण श्रीर वातमान : पद की संख्या, उसका वर्गीकरण श्रीर उसमे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिद्धिट हैं।
- 4 भर्ती **की पद्ध**ि, आयु तीमः अरे अन्य आईक्षेष्टं उनन पद पर भर्ती की पद्धित्, आयु सीमाः आईक्षाएं और उन में सम्बद्ध अन्य बातें वे होंगी जो उनत अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 5. **निर्हताएं** : वह व्यक्ति, (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पित या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने भ्रपने पति या श्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा ;

परन्तु केन्द्रोय सरकार, यदि उसका यह समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति भ्रौर विवाह के भ्रन्य पक्षकार को लागू स्वोय विधि के भ्रधीन भ्रनुजेय है भ्रौर ऐसा करने के लिए भ्रन्य श्राधार मौजूद हैं, इस नियम के प्रवर्तन से उस व्यक्ति को छूट दे सकेगी।

6. शिषि र करने की शक्ति: जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन, है, यहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे और संघ लोक सेवा श्रायांग के परामर्श से श्रादेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

	म्रनुसूची								
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वे तनमान	क्या प्रवरण पद है भ्रथवा श्रप्रवरण पद	•				
1	2	3	4	5	6				
सचिव, माः ध्यस्थम् योर्ड ।	ŧ	ाधारण केन्द्रीय तेवा वर्ग I (राज- त्रित)			45 वर्ष से श्रनिधक (सर- कारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)।				

सीधी भर्ती वालों के लिए भ्रपेक्षित और भ्रन्य श्रहेताएँ

भ्य सीधा नारपोक्षा की भर्ती बालों के कालावधि, लिए विहित द्याय प्रीर र्णः क्षिक ग्रहेनाएँ प्रोप्तनों की दशा में लाग् होगी ।

भर्ती की पद्धतिक्या भर्ती मीधी होगी या प्रोन्नति यदि कोर्र हो। द्वारा या प्रतिनियुक्ति।प्रन्तः रग द्वारा तथा विभिन्न पदः धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति-शतता ।

7

8

9

दो वर्ष

10

श्रावश्यकः :

(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व- लागू नहीं विद्यालय की डिग्री या समः होता। ट्र ल्य

प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा जिसके न हैं। सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।

() कि नी उत्तरदायित्वपूर्ण हैं सियत में लगभग 10 वर्ष का प्रशासनिक श्रनुभव (ग्रन्यः था मुर्फ्राहत अभ्याथियों की दशा में ग्रहताएँ ग्रायरेग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी।)

वास्त्र नीय

सरकारी नियमों श्रौर विनियमों का ज्ञान ।

प्रोन्नित/प्रितिनियुक्ति/श्रन्तरण द्वारा भर्ती की दणा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नित/प्रितिनयुक्ति/श्रन्त-रण किया जाना है ।

यदि विभागोय प्रोक्षति समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना

क्या है।

वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा ग्रा-योग से परामर्ग किया जाना है।

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर ग्रन्तरण

(।) केन्द्रीय सेवा वर्ग । या राज्य सेवा के वे लागू नहीं होता। भ्रधिकारी जो भारत सरकार के अवर सविव नियुक्त किए जाने के पात हों।

नागू नहीं होता। जैसा कि संघ लोक सेवा श्रायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 में श्रपेन क्षित हैं।

(।।) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रनु-भाग ग्रिधिकारी जिनकी श्रेणी में न्यूनतम दस वर्ष की सेवा हो। (प्रतिनियुक्ति की कालावधि सामान्यतः 3 वर्ष से ग्रन-धिक होगी)

[सं० 35/10/69—एस० डब्ल्यू.(1)]

(के० डी० हजेला) भ्रवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 28th July 1970

G.S.R. 1163.—Whereas the Chief Justice of the High Court of Andhra Pradesh has, with the previous consent of the President, requested Shri Mohd. Mirza who has held the office of a Judge of the High Court of Andhra Pradesh, to sit and act as a Judge of the High Court of Andhra Pradesh from the date of which he takes his seat as a Judge of that High Court for the disposal of criminal cases till Shri Justice Aliadi Kuppuswamy resumes duty in the High Court.

And whereas the said Shri Mohd. Mirza has consented to sit and act as Judge of that High Court;

Now, therefore, in pursuance of article 224A of the Constitution of India, the President hereby determines that the said Shri Mohd. Mirza shall be entitled, for the period during which he sits and acts as a Judge of the High Court of Andhra Pradesh, to an allowance of rupees three thousand and five hundred per month, minus the pension and pension equivalent of any other retirement benefits drawn by him as a retired Judge of the High Court of Andhra Pradesh.

[No. 3/5/70-Judl.III.]

K. THYAGARAJAN, Dy. Secy.

गृह मंत्रा य

नई दिल्ली, 28 जलाई, 1970

सा० का० नि० 1163.— जबिक स्रांद्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रपति की पूर्व सहमित से, श्री मोहम्मद मिर्जा, जो द्यांद्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर रह चुके हैं, से स्रनुरोध किया है कि वे दण्डनीय मामलों के निपटानहेतु उक्त उच्च न्यायलय के न्यायाधीश के पद पर, स्थानग्रहण करने की तारीख से न्यायमूर्ति श्री स्रलादी कुत्पुस्वामी के उक्त उच्च न्यायालय में कार्य-भार ग्रहण कर लेने तक, पदासीन रहें स्रौर कार्य करें;

श्रौर जबिक उक्त श्री मोहम्मद मिर्जा उस उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के पद पर पदासीन होने तथा कार्य करने के लिए सहमत हो गये हैं;

श्रतः श्रव संविधान के श्रनच्छेद 224-क के श्रनुसरण में राष्ट्रपित यह निश्चित करते हैं कि उक्त श्री मोहम्मद मिर्जा श्रांघ प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर श्रपनी कार्यावधि में तीन हजार पांच सौ रूपये प्रतिमास भत्ते के हकदार होंगे, जिसमें से पेंशन तथा सेवा-निवृत्ति के लाभों के समकक्ष पेंशन विषयक वे श्रन्य लाभ घटा दिये जायेंगे जो उन्हें श्रांघ प्रदेश उच्च न्यायालय के सेवा-निवृत न्यायाधीश की हैंसियत से मिल रहे हैं।

[सं० 3/5/70-न्याधिक-III]

के० त्यागराजन, उप सचिव।

New Delhi, the 31st July 1970

- G.S.R. 1164.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the Government of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Services (Pay) Rules, 1954, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Indian Administrative Services (Pay) Eleventh Amendment Rules, 1970.

- (2) They shall come into force with effect from 1st March, 1970.
- 2. In Schedule III to I.A.S. (Pay) Rules, 1954 under the heading "B-Posts carrying pay in the Senior time-scale of the Indian Administrative Service under the State Governments including posts carrying special pays in addition to pay in the time-scale" in clause (1) for the words and figures "to a minimum of 5 per cent" substitute the words and figures "to a minimum of 15 per cent".

[No. 1/83/69-AIS(II).]

Explanatory Memorandum

The Government of India have decided that these orders be made effective from the 1st March, 1970, and no officer is likely to be adversely affected.

मई दिल्ली, 31 जुलाई, 1970

सा० सां० नि० 1164.—प्रिखल भारतीय सेवा प्रिधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सम्बन्धित राज्य सरकारों से परा र्श करने के पश्चात भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियन, 1954 में ग्रौर संशोधन करने के लिए एतद्दारा निम्नलिखित नियम बनाती है:—

- (1) ये नियम भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) 11वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकते हैं।
 - (2) ये नियम 1 मार्च, 1970 से लागू होंगे।
- 2. भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 की अनुसूचि III में "ख-राज्य सरकारों के अधीन भारतीय प्रशासन सेवा के वरिष्ठ वेतन-मान के वेतन वाले पद और समय वेतन मान में वेतन के श्रति-रिक्त विशेष वेतन वाले पद" शीर्ष के अधीन खण्ड (1) में शब्द और श्रंक "न्यूनतम 5 प्रतिशत तक" के स्थान पर ''न्यूनतम 15 प्रतिशत तक" प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[सं 0 1/83/69-अ 0 भा 0 से 0 (2)]

व्यक्षास्मक ज्ञान

भारत सरकार ने यह निर्णय किया है कि ये आदेश 1 मार्च, 1970 से लागू किए जाएं और और इनसे किसी भी श्रधिकारी पर श्रवांछित प्रभाव नहीं पड़ेगा।

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th July 1970

G.S.R. 1165.—In the Ministry of Home Affairs Notification No. 32/25/69-AIS(III) dated the 1st July, 1970 for the entry under column 11, read the following:—

"Transfer on deputation or promotion.

Section Officers of the Central Secretariat Service or Officers of State Civil Services with 4 years' service in the grade. Assistant Administrative Officer in the National Academy of Administration with 5 years' service in the grade will also be considered. If the Assistant Administrative Officer is selected for appointment to the post, it will be treated as having been filled by promotion.

(Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)".

[No. F.32/25/69-AIS(III).] B. NARASIMHAN, Under Secy.

যুদ্ধি-দন্ন

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1970

जी एस श्रार 1165. — गृहं मतालय की अधिसूचना सख्या 32/25/69 - अ० भा० में ० - 3 तारीख, 1 जुलाई, 1970 के कालम 11 के अधीन दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि पढ़ी जाय: ---

''प्रतिनियुक्ति प्रथवा पदोन्नति होने पर स्थानान्तरण

केन्द्रीय सचिवलय सेवा के अनुभाग अधिकारी अथवा राज्य सिविल सेवाओं के अधिकारी जिनकी सेवा उस ग्रेड में 4 वर्ष की हो चुकी हो। राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के सहायक प्रशासन अधिकारी भी जिनकी सेवा उस ग्रेड में 5 वर्ष की हो चुकी हो के सम्बन्ध में विचार किया जायगा। यदि पद पर नियुक्ति के लिए सहायक प्रशासन अधिक कारी का चयन किया जाय तो यह माना जायेगा कि पद पदोन्नति द्वारा भरा गया है। (प्रतिनियुक्ति की अविध सानान्यत: 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)"

[सं० एफ 32/25/69-ग्र० भा० से० -3]

बी० निरसहत्, भ्रवर सचिव ।

New Delhi, the 31st July 1970

G.S.R. 1166.—In exercise of the powers conferred by section 41 of the Arms Act, 1959 (54 of 1959) the Central Government hereby exempts Shri Sirag A. Baashin, Attache, Royal Saudi Arabian Embassy, New Delhi, from the operation of so much of the provisions of section 10 of the said Act, as is relatable to the bringing into India of one 6,35 Cal. Pistol, subject to the condition that the aforesaid arm shall not be transferred to any person in India for consideration or otherwise.

[No. F. 11/14/70-GPA-II.] C. B. BUDGUJAR, Under Secy.

मई दिल्ली, 31 जुलाई, 1970

सा॰का॰नि॰ 1166.—शस्त्रास्त्र अधिनियम 1959 (1959 का 54वां) की धारा 41 द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अधीन केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री सीराग ए॰ वाशीन, सहचारी ,शाही सऊदी प्ररव दूतावास द्वारा आयात की गई एक 6.35 काल पिस्तोल को उक्त अधिनियम की धारा 10 के उपबन्धों से इतनी छूट दी जाती है जितनी यह उक्त शस्त्र को भारत में लाने से सम्बन्धित है बशर्ते कि उपरोक्त शस्त्र भारत में किसी व्यक्ति को मूल्य अथवा अन्य किसी आधार पर हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा।

2. यह छूट इस म्रिधिसूचना के जारी होने के दिन मे एक माह की म्रविध नक लागू रहेगी।

[सं० एफ०-11/14/70-जी०पी०ए०-2] च० भ० बडगुजर, उप सचिव।

New Delhi, the 1st August 1970

- G.S.R. 1167.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Clerical Service (Fourth Amendment) Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. In the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962,-
 - (a) in sub-rules (1) and (2) of rule 15, after the words "typewriting test held by the Secretariat Training School, Ministry of Home Affairs", the following words shall be added, namely:—
 - "or has been specifically exempted from passing the typewriting test due to physical disability in consultation with the Ministry of Home Affairs";
 - (b) in rules 15 and 16, the words "of probationers" occurring in the heading shall respectively be omitted.

[No. 18/3/67-CS(II)(i).]

नई दिल्ली, 1 श्रगस्त, 1970

सा०का०नि० 1167.—राष्ट्रपिन संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबन्ध में उन्हें समर्थ करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा केन्द्रीय सिचवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 में और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् ::—

- (1) ये नियम केन्द्रीय मिजवालय लिपिक सेवा (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में श्रपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत होंगे।
 - 2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 में,---
 - (क) नियम 15 के उप-नियमों (1) शौर (2) में "सिचवालय प्रशिक्षण स्कूल, गृह मंत्रालय द्वारा ली गई टंकण परीका" शब्दों के बाद निम्नलिखित शब्द जोड़े जायेंगे, श्रिषत्
 - "श्रथवा गृह मंत्रालय के परामर्श से शारीरिक श्रशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने से विशिष्टतया छूट दी गई है।"
- (জা) नियम 15 श्रीर 16 में शीर्षक में श्राने वाले शब्द "परिवीक्षाधीन व्यक्तियों का" ক্ষমতা: লুদ্ব कर दिए जाएंगे।

[सं 0 18/3/67-- कें 0 से 0 (II) (i)]

- G.S.R. 1168.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 12 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Government of India in the Ministry of Home Affairs hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) Regulations, 1965, namely:—
- 1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) (Second Amendment) Regulations, 1970.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In sub-regulation (6) of regulation 8 of the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) Regulations, 1965, the existing clause (iii) shall be renumbered as clause (iv) and before clause (iv) as so renumbered, the following new clause (iii) shall be inserted, namely:—
 - "(iii) notwithstanding anything contained in clauses (i) and (ii) above, a candidate, who has been declared by the competent medical authority, i.e. the Civil Surgeon, to be permanently unfit to pass the typewriting test because of a physical disability, may, in consultation with the Ministry of Home Affairs, be exempted from the requirement of passing the typewriting test and, in the event of his being so exempted, the provisions of clauses (i) and (ii) shall cease to be applicable to him from the date of such exemption;"

[No. 18/3/67-CS(II)(ii).]

सा० का० नि० 1168.—केन्द्रीय सिच्चित्रालय निषित से ति निया, 1962 के नियम 12 के उन-निया (4) के ब्रापुसरण में गृह मंगालय में भारत सरकार केन्द्रीय सिच्चित्रलय लिपिक सेवा (प्रतियोगी परीक्षा) विनियम, 1965 में ब्रोर संशोधन करने हेतु एनव्शारा निन्न लिखित विनिमयं बनाती है, अर्थात :—

- 1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सिचवालय लिपिक सेवा (प्रतियोगी परीक्षा) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये पासकीय राजस्त्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. केन्द्रीय सिचवालय लिपिक सेवा (प्रतियोगी परीक्षा) विनियम, 1965 के विनियम .8 के उप-विनियम (6) में विद्यमान खण्ड (iii) का पुनः संख्याकन करके खण्ड (IV)कर दिया जायेगा ग्रीर इस प्रकार पुनः संख्याकन के परिणामस्वरूप खण्ड (iV) से पहले निम्नलिखिल नेया खण्ड (III) ग्रन्तः स्थापित कर दिया जायेगा, श्रर्थात् :—
 - "(iii) उपरोक्त खण्ड (i) तथा (ii) में निर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, किसी उम्मीदियार को, जो सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन द्वारा शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायीरूप से अयोग्य घोषित कर दिया गया है, गृह मंत्रालय के परामर्श से टंकण परीक्षा पास करने की अपेक्षा से छूट दी जा सकती है और उसे इस प्रकार की छूट दिये जाने पर ऐसी छूट की तारीख से खण्ड (i) तथा (ii) के उपबन्ध उस पर लागू नहीं होंगे;"

- G.S.R. 1169.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Third Amendment) Rules, 1970,
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rules 17 and 18 of the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, the words "of probationers" occurring in the heading shall respectively be omitted.

सा०का०नि० 1169.—राष्ट्रपति संविधान के ध्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इ.सःसम्बन्धासाउन्हें समर्था करने त्वालीः ध्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए के द्वीय सचिवालय आश्रुलिपिक सेवा।नियम, 1962 में भीर संजोधन करने हेतुःनिम्मलिखतानियम बनाते हैं। अर्थात् :--

- 1.. (1), ये नियम केन्द्रीय सचिवालय धाशुलिपिक सेवा (तृतीय संग्रोधन) नियम, 1970 को जा सर्वेगेः।
 - (2) ये शासकीय, राजपंक म अवने प्रकाशत भी ताहीख को प्रवृत्त होंगे.।
- 2. केन्द्रीयः स्त्रीवालयः ग्राम्युषिप्रिकः सेवा, स्थिमः 1989ः के नियमः 17 श्रीरः 18 में शीर्षकः में ग्राने वाले शब्द ''परिवीक्षाधीन व्यक्तियों का'' क्रमशः लुप्त कर दिये जायेंगें।

[सं॰ 18/3/67-के॰से॰ (II)(iii)]

G.S.R. 1170.—In pursuance of sub-rule, (4) of rule 12 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962; the Government of India in the Ministry of Home Affairs hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) Ragulations, 1969, namely:—

- 1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) (Second Amendment) Regulations, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In sub-regulation (5) of regulation 8 of the Central Secretariat Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) Regulation, 1969; the existing clause (iii) shall be renumbered as clause (iv) and before clause (iv) as so renumbered, the following new clause (iii) shall be inserted, namely:—
 - "(iii) notwithstanding anything contained in clauses (i) and (ii) above, a candidate, who has been declared by the competent medical authority, i.e. the Civil Surgeon, to be permanently unfit to pass the typewriting test because of a physical disability, may, in consultation with the Ministry of Home Affairs, be exempted from the requirement of passing the typewriting test and, in the event of his being so exempted, the provisions of clauses (i) and (ii) shall cease to be applicable to him from the date of such exemption;"

[No. 18/3/67-CS(II)(iv).]

M. K. VASUDEVAN, Under Secy.

सांवितालि 1170: केन्द्रीय सिववालिय लिपिक सेवा निवम, 1962 के नियम 12 के उप-नियम (4) के अनुसरण में गृह मंद्रालय में भारत सरकार केन्द्रीय सिववालिय लिपिक सेवा (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-यर्ग के लिये निम्न श्रेणी वर्ग प्रतियोगी परीक्षा) विनियम, 1969 में भ्रीर संशोधन करनेहेतु एन्द्रारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, प्रार्थातुः ---

- 1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेक्क (क्लुर्थ श्रेणी कर्मकारी वर्ग के लिए निम्न श्रेणी वर्ग श्रीकांगी परीक्षा) (द्वितीय संशोधनः) विक्यम, 1970 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये शासकीय राजपात्र में श्रपने प्रकाशन की कारीख की प्रवृत्त होंगे:।
- 2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वर्ग के लिये निम्म श्रेणी वर्ग प्रति-योगी परीका) विनियम, 1969 के विनियम 8 के उप-विनियम (5) में विद्यमान खण्ड (111)

का पुनः संख्याकृत करके खुण्ड (iv), कर दिया जायेगा भीर इस प्रकार पुतः संख्याकृत के परिणाम-स्तकृष खुण्ड (iv), से पुरुषे निम्तृतिखित नया खण्ड (ii) भ्रन्तः स्थापित कर दिया जायेगा, श्रयत् :—

"(iii) उपरोक्त खण्ड (i) तथा (ii) में निर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी, किसी अम्मीदवार को, जो सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी प्रयात् सिविल सर्जन द्वारा शारीरिक प्रशासता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायीरूप से प्रयोग्य घोषित कर दिया गया है, गृह मंत्रालय के परामर्थ से टंकण परीक्षा पास करने की प्रपेक्षा से छूट दी जा सकती है और उसे इस प्रकार दिये जाने पर ऐसी छूट की तारीख से खण्ड (i) तथा (ii) के उपबन्ध उस पर लागू नहीं होंगे।

[सं॰ 18/3/67-के॰से॰ (II)]

एस.० के.० वासुदेवन, प्रवर सन्नित्र।

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 21st July 1970

- G.S.R. 1171.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to Class III posts of Store-Keepers in the Central Water and Power Commission (WW), namely—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Water and Power Commission (WW) Class III_(Store-Keepers) Posts Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts as specified in column 1 of the Schedule Annexed hereto.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of the posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, other qualifications.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled Castes Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualifications.—No Person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

				SCHE
Name of Post	No. of posts	Classification Scale of Pay	Whether selection post or non- selection post	Age for dir- Educational ect recruits & other qualifications required for direct recruits.

I	2	3	4	5	6	7
r Assistant Store-keeper	13	General Central Service Class III Non-Minis- terial	Rs. 110-3-13 4-155-EB-4- 175-EB-5-180	cable	li- 18—21 years	Matricula- tion or equi- valent from a recognised University or Board.
2 Storekeeper	10	General Central Service Class III Non-Mini- sterial	Rs. 130-5-160- 8-200-EB-8- 256-8-280-10 300	Non-Selec- tion	18—25 years	(i) Matri- culation or equivalent from a recog- nised Uni- versity.
3 Head Store- Keeper	One	General Central Service Clèss III non Ministerial	R ₅ . 210-10- 290-15-320- EB-15-380	Non-Sele- ction.	Not appli- cable	Not applicable.

	ion- probat tions if any for nits	fon rectt, whether motion/d by direct rectt. grades from the promo-	rectt, by pro- eputation/transfo om which pro- eputation/transfo o be made	what is its	Circumstances in which UPSG is to be con- sulted in making rectt.
8		9 10	11	12	13
Not applicable.	2 years	D.roct recruitment 100%	Not appli- cable	Not appli- cable	Not appliacable.
Ио	2 years	By direct recruitment 50% By promotion 50%	Asstt. Store keeper who have renders at least 3 years regula service in th grade.	ır	Not applicable.
N 2: appli- cable	2 years	By promotion 100%	Storekeeper who have rendered 3 vers regular service in the grade.	Class III	Not appli- cable.

सि गई भीर विद्युत मंत्राजय

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1970

जी । एस । ग्रार । 1171 .--संविधान के ग्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा केन्द्रीय जल तथा विद्युत श्रायोग (जल स्कंध) में तृतीय श्रेणी के स्टोर कीपरों के पदों में भरती के तरीके का नियमन करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं :--

- 1. संक्षिप्त शीर्ष त श्रोर प्रारम्भ :--ये नियम केन्द्रीय जल तथा विद्युत श्रायोग (जल स्कंध) ततीय श्रेणी (स्टोर कीपर) पद भरती नियम, 1970 के नाम से कहे जाएं ।
 - 2. ये नियम सरकारी राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीख से लागू हो जाएंगे।
- 2. प्र क्ति.--ये नियम इस के साथ लगी अनुसूची के स्तम्भ 1 में उल्लिखित पदों में भूति। के लिये प्रयुक्त होंगे।
- संख्या, वर्गीकरण, ग्रीर वेतनमान .--पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण ग्रीर वेतनमान घष्टी होगा जो उक्त प्रनुसूची के र भ 2-4 में उल्लिखित है

4. भरती का तरीक'. मायु सीता, मन्य मार्ताएं .-- उक्त पदों में करती का तरीका, आयु सीमा, आहंताए, और उनसे संबोधित अन्य घातें वही होंगी जो पूर्वोक्त तालिका के स्तंभ 5-13 में उल्लिख खिते हैं।

परन्तु वीश्री भ रतो के लिये निर्धारिक प्रांयु की उपरि मीमा का गिथिल्कोकरण केन्द्रीय सरका र द्वारा समर्थनसमय पर जारी किये गए सामान्य प्रादेशों के ब्रनुसार ब्रमुसचित जातियों, ब्रनुसचित जाति जातियों और ब्रन्य विशेष श्रेणी के व्यक्तियों के संबंध में किया जा सकता है।

5. **म्राहं**नाएं.—जिस व्यक्ति ने (क) किसी ऐसे व्यक्ति के सूथि विज्ञाह कर लिया है अन्य श विवाह के लिये करार कर लिया है जिसका/जिसकी एक पति/पत्नी जीवित है अन्य श (ख) एक पति/ पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया है म्रथना विवाह के लिये करार कर लिया है, वह नौंकरी में निर्युक्ति का पाल नहीं होगा:

परन्तु केन्द्रीय सरकार किसी भी व्यक्ति को इस नियम की प्रयुक्ति से श्रिंशभुक्त कर सक्तिती है यदि वह इस बात से संतुर्घट हो जाए कि यह विवाह उस व्यक्ति श्रीर विवाह से संबंधित श्रन्य पश्रापर लागू व्यक्तिगत कानन के स्रधीन अनुमेय हैं, श्रीर ऐसा करने के लिए श्रन्य कारण भी हैं।

6. क्तिबिली तरण का प्रथिक र.--जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक प्रथवा उर्चित है तो वह, आदेश जारी करके, कारणों को लिख कर बताते हुए, किसो भी वर्ग भीर श्रेणी के व्यक्ति के मंबंध में, किसी भी उपबंध का शिथिलीकरण कर सकती है।

						n ,
पद का नाम	_	वर्गीकरण	<u>बतनमा</u> न	क्या पद		सीधी भर्ती के लिए
	की			चयनात्मक	भता	अपेक्षित शिक्षा संबंधी
	संख्य	г		है ग्रथवा	के लिए	तथा ग्रन्य श्रहेताएं
				ग्रचयनारमक	श्रायु	

ब्बर

1 2	3	4	5	6	7
1. सहायक 13 स्टोरं कीपर	,	3-131-4 -155-द० रो०-175-	श्रप्रयोज्य	18-21 वर्ष	किसी मान्यता-प्राप्त विश्व-विद्यालय बोर्ड से मेट्टिकुलेशन प्रथवा समकक्ष

सूची

क्या सीधी भरती के लिए निर्धा- रित ग्रायु श्रौर शिक्षा संबंधी ग्रह- ताएं पदोन्न- ति प्राप्त करने वालों पर लागू होंगी	परि- वीक्षा के लिए तरीका/ ध्रवधि यदि कोई है	भर्ती का तरीका - ज्या भरती सीधी भर्ती द्वारा अथवा पदोन्नति द्वारा अथवा प्रतिनि- युक्ति/पदान्तरण द्वारा होगी और विभिन्न तरीकों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की	यदि भरती पदोन्नति/ प्रितियुक्ति/पदान्तरण द्वारा की जानी है तो उन ग्रेडों के नाम जिनसे पदोन्नति/प्रतिनिथुक्ति/ पदान्तरण किया जाना है	यदि पदो- श्रति की कोई विभागीय समिति है तो उसकी बनावट	परिस्थितियां जिन में संघ लोक सेवा ग्रायोग की, भरती करने में, सलाह ली जानी है
8	9	10	11	12	13
म्रप्रयोज्य	2 वर्ष	100 सीधी भरती	भ्र प्रयोज्य	ग्रप्रयोज्य	भप्रयोज्य

1	2	3	4	5	6	7
2. स्टोर कीपर	10	वही	रु० 130- 5-160-8 -200-इ० रो०-8- 256-8- 280-10- 300	श्रचयनात्मक	18-25 वर्ष	(i) किसी मान्यता-प्राप्त विश्व-विद्यालय से मेट्रिकुलेशन प्रथवा समकक्ष (ii) स्टोर चलाने घौर स्टोर लेखा पालन के संबंध में तीन वर्ष का ग्रनुभव।
3. मुख्य स्टोर कीप	1 र	-बही	ह० 210- 10-290- 15-320- द०रो०-15	चयनात्म क	श्रप्रयोज्य	य भ्रप्रयोज्य

8	9	10	11	12	13
नहीं	वही	50% सीधी भर्ती द्वारा 50% चदोन्नति द्वारा	वे सहायक स्टोर-कीपर जिन्होंने उस ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा की है।	पदोष्ट्रति समिति——	ग्रप्रयोज्य
भ्रप्रयो ज्य	वही	/ V	वे स्टोरकीरा जिन्ह.ने जस ग्रेड में तीन वर्ष की नियमित सेवा की है।	– यही−	ग प्रयोज्य

[सं० 121/70—एफ० 39/4/70—प्र०एक], के० पी० बी० मनन, श्रवर सचिव।

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th July 1970

G.S.R. 1172.—Substitute the figure "1970" for the figure "1969" occurring under the heading "Short title and commencement" at item (1) of the Ministry of Irrigation and Power Notification No. 81/70-F. 39/14/68-Adm. I dated the 8th June, 1970 regarding recruitment rules for Class I (Scientific) posts in the Central Water and Power Commission (Power Wing).

[No. 39/14/68-Adm.I.]

K. P. B. MENON, Under Secy.

New Delhi, the 27th July 1970

- G.S.R. 1173.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to Class I Gazetted posts in the Irrigation Commission set up by the Ministry of Irrigation and Power, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Irrigation Commission (Class I posts) Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.

- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.
 - Disqualifications.—No person.—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service:

Class I Gazetted

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are special grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

THE

No. of Classifi-Scale of pay Whether Age for Educational Name of direct selection Other qualifications post **DOSTS** cation Post or recruits required for direct non-selecrecruits tion Post 6 I 2 7 3 5 Rs. 1800-Not Not T: Secretary General Not applicable Cențral applicaapplica-100-Service 2000 ble ble

SCHEDULE

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotecs	Period of Probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion o. by detation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	pu- - -		Circumstan- ces in which Union Public Service Commission is to be consul- ted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not appli- cable	Transfer on deputa- tion	Transfer on deputation Officers of the rank of Director (Selection Grade)/Superinten- ding Engineer (Se- lection Grade) in the Central Water and Power Commis- sion, OR Officers of the rank of Director (ordinary Grade)/ Superintending Engineer (Ordinary Grade) in the Central Water and Power Commission with 5 years service in the grade, under the Cen- tral/State Govern- ments, and possessing	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission Exemption from consultation) Regulations, 1958.

2856	THE GAZE			AUGUST	-				[PART II	(
										=
	I	2	3	4		5	6	7	,	

2. Director of Studies

2 General Rs. 1300— Not Central 60—1600 appli-Service —100— cable. Class I 1800. Not 1 applicable.

Not applicable-

8 TI 12 13 ΙÓ 9

experience in planning, investigation, design and construction of Water Resources Systems.

(Period of deputationordinarily not exceeding 2 years).

Not appl -able

Not appli-Transfer cable on deputation (in-

cluding short-term contract)

Transfer on deputation for Engineering post

Officers of the rank of (ordinary Director Grade) in the Central Water and Power Commission OR Officers of the rank of Deputy Director in the Central Water and Commission Power with 5 years' service in the grade, under the Central/State the Governments, possessing experience in planning, investidesign and gation. construction of Water Resources Systems.

(Per od of deputation— ordinarily not exceeding 2 years).

Transfer on deputation (including short-term contrict)—for Economics bost.

Officers of Grade I of Indian Economic Service OR Officers of Grade II of he Indian Economic Service with 3 service in the vears grade OR officers holding posts of Director (Ordinary Grade), or Deputy with five Director years' service in the grade or equivalent, under Central/State Governments ORUni-Professors in versities/Research Institutions havirg following qualfications and expereince

- 1. M.A. in Economics;
- 2. At least 10 experience in collec-

Not applicable

As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultatin) Regulation; 1958.

2858 THE GA	ZETTE OF	INDIA: A	UGUST 1:	5, 1970/8	RAVANA 2	4, 1892 [PART II—
		 -				
I	2	3	4	5	6	7

- 3. Deputy Director
- General
 Central
 Service
 Class I
 Gazetted
 - neral Rs. 700 entral 40—1100 —50/2— 1250.
- Not appli- Not applical le cable cable

13 8 11 12 TO 9 tion, compilation and analysis of Beonomics/Statistics. Data. (Period of deputation/ contract-ordinarily not exceeding 2 years). required Not appli-Not appli-By transfer Transfer on deputation Not ap-Ą٩ For Engineering posts Officers of the Central/ under the cable on depuplicable cable Union Public tation. State Service Com-Governments of the rank of Deputy mission (Exemption from Director in the Central Water and Power Consultation) Regulations, Commission; OR Officers of the Cen-1958. tral/State Governments of the rank of Assistant Director/ Assistant Engineer in the Central Water and Power Commission with 5 years service in the grade, under the Central/ Governments, State and having experience in irrigation, flood control and drainage work. (Period of deputationordinarily not exceeding 2 years). For Economics posts
Officers of the Grade III the Indian of Economic Service or Grade IV of the Indian Economic Service with 4 years service in the in the grade; OR Officers holding posts of Deputy Director or equivalent OR Assistant Director/ Research Officer with four years service OR other officers working under the Central/ State Governments pay scale in the of Rs. 590—900 or higher with four years service and having following qualifications Degree in Economics/ Statistics of a recognised University. least 5 years experience in collection/compilation and of Ecoanalysis

nomic/Statistical data. (Period of deputationondinarily not exceed-

ing 2 years).

2860 THE	GAZETTE	OF INDIA	: AUGUST	15, 1970/	SRAVANA	24, 1892 [PART	1I —
ī	2	3	4	5	6	7	
4. Assistant Director	2	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 400— 400—450— 30—600— 35—670 EB—35— 950	Not applicable	Not appli- cable	Not applicable	

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not appli-	Transfer on depu- tation.	Transfer on deputation For Engineering post Officers of the rank of Assistant Director in the Central Water and Power Com- mission OR Officers of the rank of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commis- sion with 3 years service in the grade under the Central/ State Governments and having experience in hydrologic studies/ scru'iny of irrigation projects and related problems.	Not applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.
			(Period of deputation— ordinarily not exceed- ing 2 years).		
			For Economic post Officers of Grade IV of the Indian Economic Service OR Officers of the rank of Re- search Investigators (Grade I) with 4 years service.		
			(Period of deputation— ordinarily not exceed- ing 2 years).		

[No. DW. II-28(98)/69.]

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1970

जी ० एस० झार० 1173 .—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा सिचाई और विद्यत मंत्रालय द्वारा स्थापित सिचाई आयोग में श्रणी-एक राजपत्नित पदों में भर्ती के तरीके का नियमन करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

- 1. संक्षिण्य झीर्बंक घीर ब्रारम्भण (1) ये नियम सिचाई आयोगं (श्रेणी एक पव) म्भर्ती नियम, 1970 के नाम से कहे जाएं।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लस्गू हो जाएंगें।
- 2. प्रयुक्ति .-- ये नियम इसके साथ लगी मनुसूत्री के स्तम्भ 1 में उल्लिखित पदों में भर्ती के लिए प्रयुक्त होंगे ।
 - 3. संख्या, वर्गीकरण झौर वेतनमान . पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण झौर वेतनमान वहीं होगा जो उन्त झनुसुची के स्तम्भ 2-4 में उत्तिखित है ।

- 4. भतीं का तरीका, बायु सीमा, बन्य बहुंताएं.—-भतीं का तरीका, ब्रायु सीमा, ब्रह्ताएं, श्रौर उनसे सम्बन्धित अन्य शर्ते वहीं होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6-13 में उल्लिखित है।
- 5. ग्रानहंताएं.——जिस व्यक्ति ने (क) किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया है ग्रथवा विवाह के लिए करार कर लिया है जिसका जित्त की एक पति/पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति के साथ धिवाह कर लिया है ग्रथवा विवाह के लिए करार कर लिया है, यह नौकरी में नियुक्ति का पान नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार किसी व्यक्ति को इस नियम की प्रयुक्ति से श्रवमुक्त कर सकती है यदि वह इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि यह विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बन्धित अन्य पक्ष पर लागू व्यक्तिगत कानून के श्रधीन भ्रनमेय है, और ऐसा करने के लिए भ्रन्य कारण भी है।

6. शिथिलीकरण का भविवार.—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना अवायम्यक भथवा उचित है तो वह, श्रादेश जारी करके, कारणों को लिख कर बताते हुए, किसी भी वर्ग और श्रेणी के व्यक्ति के सम्बन्ध में, किसी भी उपबन्ध का शिथिलीकरण कर सकती है।

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान		क भर्ती के लिए	सीधी भर्ती के लिए ग्रपेक्षित णिक्षा संबंधी तथा ग्रन्य ग्रहंताएं	भर्ती के लिए निर्धारित
1	2	3	4	5	6	7	8
सचिव	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी–एक, राजपन्नित	रु 1800— 100—2000	घ्रप्रयोज्य	भ्रप्रयोज्य	ं ग्रप्रयोज्य -	धप्रयोज्य

सूची

भर्तीका तरीका क्या यदि भर्ती पदोन्नति/ यदि पदोन्नति परिस्थितियां जिन परिवीक्षा के प्रतिनियुक्ति पदान्तरण की कोई विभा- में संघ लोक सेवा लिए तरीका/ भर्ती सीधी भर्ती द्वारा ग्रवधि यदि द्वारा की जानी है तो गीय समिति भ्रायीग की, भर्ती श्रयवा प्रतिनियुक्ति/ है तो उसकी करने में, सलाह ली कोई है पदान्तरण द्वारा होगी उन ग्रेडों के नाम जिनसे ग्रीर विभिन्न तरीकों पदोन्नति प्रतिनियुनितं जानी है बनाबट द्वारा भरी जाने वाली पदान्तरण किया जाना रिक्तियों की प्रतिशतता 9 10 11 12 13 म्रप्रयोज्य प्रतिनियक्ति पर प्रतिनियुक्ति पर पदान्त- ग्रप्रयोज्य जैसासंघ लोक सेवा मायोग (परा पदान्तरण रण केन्द्रीय जल तथा विद्युत मर्श की खूट) भ्रायोग में निवेशक विनियम, 1958 (चयन ग्रेड) ग्रधीक्षक के मधीन मपेकित म्रभियन्ता (चयन ग्रेड) होगा । के पद के अधिकारी

			DIA: AUGUST				
							-
1	2	3	4	5	6	7	8

2 प्रध्ययन 2 सामान्य ६० 1300- श्रप्रयोज्य ग्रप्रयोज्य ग्याय ग्रप्य ग्रप्य ग्रप्रयोज्य ग्रप्य ग्रप्य ग्रप्य ग्रप्रयोज्य ग्रप्रयोज्य ग्रप्य ग्रप्य ग्रप्य ग्रप्रयोज्य ग्रप्रयोज

भ्रथवाकेन्द्रीय जल तथा विद्युत ग्रायोग के निदे-शक (सामान्य ग्रेड)। भ्रभिक्षण ग्रभियन्ता (सामान्य ग्रेड) के पद के वे ग्रधिकारी जिन्होंने उस ग्रेड में केन्द्रीय/ राज्य सरकारों के ग्रधीन 5 वर्षों की सेवा की हो भ्रोर जिन्हें जल संसाधन प्रपालियों के भायोजन, ग्रनुसंघान, प्रभिकल्प भौर निर्माण में प्रनभव प्राप्त हो । (प्रतिनियुक्ति की भ्रवधि साधारणतः 2 वर्षो से श्रधिक न हीं होगी)

मप्रयोज्य

9

प्रतिनियुम्ति पर पदान्त-रण (अनुबन्ध पर अल्प कालीन नियक्ति समेत)

प्रतिनियुक्ति पर पदान्त-रण - इंजीनियरिंग पदों के लिए केन्द्रीय जल तथा विद्युत में निदेशक (सामान्य ग्रेड पद के ग्रधिकारी ग्रथका केन्द्रीय जल तथा विद्युत भ्रायोग में उपनिदेशक पद के वे श्रधिकारी जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकारों के ग्रधीन उस ग्रेड में 5 वर्षी की सेवा की हो भीर जिन्हें जल-संसाधन प्रपालियों के ग्रायोजन,भ्रनुसंधान भ्रभि-श्राल्प भ्रौर निर्माण में **धनुभव प्रा**प्त हो ।

ग्रप्रयोज्य

जैसा संघ लोक है सेवा भायोग (परा-मर्श को छूट) विनियम, 1958 के भ्रधीन भ्रपेक्षित होगा ।

1	2	3	4	5	6	7	8
			···			·	

9

(प्रतिनिय्क्ति की अवधि सामान्यतः 2 वर्ष से ग्रधिक नहीं होगी) प्रतिनियुक्ति पर पदान-तरण (भ्रनुबन्ध पर भ्रत्य कालीन नियमित समेत) ग्रर्थशास्त्र विषयक पद इंडियन इकोनामिक सर्विस के ग्रेड एक के ग्रधिकारी ग्रथवा इंडियन इकोनामिक सर्विस के ग्रेड दो के व ग्रधिकारी जिन्हों-ने उस ग्रेड में तीन वर्षों की सेवाकी हो ग्रथवा निवेधक (सामान्य ग्रेड), भ्रम्यवा व उपनिदेशक जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकार के प्रधीन उस ग्रेड भयवा समकक्ष में 5 वर्ष की सेवा की हो भयवा विश्वविद्यालयों/मन्-संधान संस्थानों के वे प्राध्यापक जो निम्नलिन लिखित ग्रहताएं गौर ग्रनभव रखते हों :--

1. प्रयंशास्त्र में स्नातको-सर उपाधि । 2. प्रयंशास्त्र / सांख्यि-कीय प्रांकड़ों के एक-क्रण, संकलन और विश्लेषण में कम से कम 10 वर्ष का प्रनुभव । 3. (प्रतिनियुक्ति/ प्रमनबन्ध की प्रविध सामान्यत: 2 वर्ष से प्रधिक नहीं होगी)

2366	THE	GAZE	TTE OF	INDIA: AUGUST	15, 197	0/SRAVA	NA 24, 189	2 [PART II
	1	2	3	4	5	6	7	8
	डपनि∙ देशक	3		7, 40-1100- 50/2-1250		श्रप्रयोज्य	भ्रप्रयोज्य	श्रप्रयोज्य

9

10

11

12

13

म्रप्रयोज्य

रण

प्रतिनियक्ति पर पदान्त- प्रतिनियुक्ति पर पदा- भ्रप्रयोज्य न्तरण इन्जीनियरी

पदों के लिए केन्द्रीय/ राज्य सरकारों के वे ग्रधिकारी जिनका पद केन्द्रीय जल तथा

विद्यस ग्रायोग के **उ**।मिदेशक पद के समकक्ष है ग्रथ-

केन्द्रीय/राज्य सरकार के वे ग्रिधि-

कारी जिनका पद केन्द्रीय जल तथा

विद्युत्त ग्नायोग के सहायक निदेशक/

सहायक ग्रभियन्ता के पद के समकक्ष हो

भीर जिन्होंने केन्द्रीय/ राज्य सरकार के

ग्रधीन पांच वर्ष की सेवा की है तथा जिन-

को सिचाई, बाढ़ नि-यंत्रण एवं जल निकास

कार्यों में ग्रनभव

प्राप्त हो ।

ग्नर्थशास्त्र विषयक पद इंडियन इकोनामिक

सर्विस के ग्रेड-तीन के म्रधिकारी ग्रथवा

इंडियन इकोनामिक सर्विस के ग्रेड-चार के

वे प्रधिकारी जिन्होंने

उस ग्रेड में चार वर्ष की सेवा की हो ग्रथवा

वे प्रधिकारी जो उप-

निदेशक ग्रथवा समकक्ष पदों पर कार्य कर

रहेहों भ्रथवा वह

र्जसा संघ लोक-सेवा द्यायोग (परामर्शकी छूट) विनियम 1958 के भ्रायोग भ्रपे-क्षित होगा।

2870 THE	GAZETI	E OF IND	IA: AUGUS	T 15, 197	O/SRAVA	NA 24, 189	2 [PART 11—
1	2	3-	4	5	6	7	8

9

सहायक निवेशक/ मनुसंधान मधिकारी जिसने चार वर्ष की सेवा की हो ग्रथवा केन्द्रीय/राज्य सर-कारों के प्रधीन रू० 590-900 प्रथवा इससे ग्रधिक के वेतनमान में कार्य कर रहे ग्रन्य वे ग्रधिकारी जिन्होंने चार वर्ष की सेवाकी हो ग्रीर जो निम्नलिखित ग्रहेताएं रखते हों:---किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय ग्रर्थेशास्त्र/सांख्यिकी में स्नातक की उपाधि/ ग्रर्थंशास्त्रीय/सांख्यि-कीय ग्रांकडों के एक गण संकलन भीर विश्लेषरा में कम से कम पांच वर्ष का श्रनुभव । (प्रतिनियुक्ति की प्रविध सामान्यतः 2 वर्ष से म्रधिक नहीं होगी।)

872 THE	GAZE	TTE OF IN	DIA; AUGUST	15, 1970)/5RAV#	NA 24, 1892	PART H
1	2	3	4	5	6	7	8
4 सहायक निदेशक		सामान्य केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-एक राजपत्निस	स• 400- 406-450- 30-600- 35-670 द•रो• 35	सप्र मोज्यः	भ्रप्रयोज्य	श्रप्रयोज्य	श्रप्रयोज्य

10

11

12

13

म्मप्रयोज्य प्रतिनियुक्ति पर पदान्तरण

प्रतिनियुक्ति पर पदा-न्तरण-इन्जीनियरी पदों के लिए केन्द्रीय षा विद्यत्त भायोग में सहायक निदेशक के पद **प्रधिकारी** ग्रथवा केन्द्रीय जल तथा विद्यत ग्रायोग में ग्रतिरिक्त सहायक निवेशक के पद के वे श्रधिकारी जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सर-कार के ग्राधीन उस ग्रेड में तीन वर्षकी सेवा की हो भीर जिन्हें सिचाई परि-योजमाद्यों के जल-वै-धानिक ग्रध्ययन/ जांच तथा ग्रन्थ सम्-बंधित समस्याम्रों में भ्रनुभव प्राप्त हो । (प्रतिनियुक्ति की प्रविध सामान्यतः 2 **वर्ष** से मधिक नहीं होगी)

भ्रयंशास्त्र विवयक वर्षे के लिए

इंडियन इकोनामिक
सर्विस के ग्रेड-बार
के प्रधिकारी प्रथवा
रिसर्च इनवेस्टिगेटर
(ग्रेड-एफ) के पद के
वे प्रधिकारी जिन्होंने चार वर्ष सेवा की
हो।

ग्रप्रयोज्य **जै**सा लोक

लोक सेवा भ्रा-योग (परामर्श की छूट), विनियम, 1958 के भ्रधीन भ्रपे-क्षित होगा ।

कि संघ

10

11

12

13

(प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि सामान्यतः 2 वर्षे से ग्रधिक नहीं होगी)।

[सं० वि० का० 2-28 (98)/69]

- G.S.R. 1174.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 369 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Class III Non-Ministrial posts in the Irrigation Commission set up by the Ministry of Irrigation and Power, namely:—
- 1. Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the irrigation Commission (Non-Ministerial Class III posts) Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the Non-Ministerial Class III posts specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.
- 3. Classification, scales of pay, method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The classification of the said posts, the scales of pay attached thereto, the method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 2 to 13 of the Schedule aforesaid.
 - 4. Disqualifications.--No person,--
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

						Тнв Sch
Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of oay	Whether selection post or non- selection post.	Agelimit for direct - recruits.	Educational and other qualifications required for direct rec- ruits
	2	3	4	5	6	7
I, Investigator	3	General Central Service- Class III Non-Gazet- ted (Non- Ministerial)	Rs.310-10- 290-15-320-H 15-425	Not appli- B cable	Not applica- able	Not appli- cable
2. Senior Draft teman	<u>-</u> 1	Do.	R9. 205-7-240 8-280	o- Do,	Ďo,	Do.
з Тгасег	r		R3.110-4-150 EB-4-170-5- 180-EB-5-20	cable	Not appli- cable	Not appli- cable

DULE In case of If a DPC Circumstan-Wehter age Period of Method of recruitment probation, whether by direct recruit-if any ment or by promotion recruitment exists what ces in which and ed waby promotion/ is its com-Union Pubtional qualifior by deputation/transfer position lic Service cations presdeputation/ Commission and percentage of the vacancies to be filled by transfer, grades cribed for is to be direct rofrom which consulted in cruits will various methods promotion making recdeputation/ apply in the case of protransfer to ruitment be made motees 8 12 13 9 10 11 Not appli- Not appli- Not appli-Not appli- Not appli-By transfer on deputation: or cable cable Investigators cable cable cable Qf – Technical Clerks from Central Government Departments with following qualifications : 1 Degree in Economics or Mathematics or Statis-2 At least one years's experience in collection/ compilation of statistical data. (Period of deputation: upto end of March 1971 but liable to extension if the life of the Commission is extended beyond that date) Do. J Do. By transfer on deputation : Do. 100. Do. Of Senior Draftsman from Central Government Departments possessing the following qualifications: Essential Diploma in Draftsmanship (Civil) or Ovescar from recognised Institute with 3 years service in the grade. (Period of deputation ; Upto end of March 1971 but liable to extension if the life of the Commission is extended further) By transfer on deputation: Do. Ď٥. From among Tracer Grade Do. Do. Do. from Central Government Departments possessing the following qualifications.

: <u>-</u>					===-=		
	1	2	3	4	5	6	7

8

10

ΙŢ

12

I

Essential:

Matriculation or equivalent from a recognised University or Board and qualified tracer from a recognised Institute or Diploma in Intermediate course of Draftsman.

Desirable

Good handwriting and one year's experience as Tracer.

(Period of deputation: Upto end of March 1971 but liable to extension if the life of the Commission is extended further)

[(No.DW-II-28(98)/69)]

K. V. RIMA RAO, Dy. Secy.

जी॰एस॰मार॰ 1174.—संविधान के भ्रनुच्छेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्बारा सिंचाई और विद्युत मंत्रालय द्वारा स्थापित सिंचाई श्रायोग में श्रेणी₂तीन भ्रननुसचिबीय पदों में भरती के तरीके का नियमन करने वाले निम्नलिखत नियम बनाते हैं :—

- संक्षिप्त शीर्षक और प्रारभंण :--(1) ये नियम सिंचाई श्रायोग (अननुसचिकीय श्रेणीः तीन पद) भरती नियम, 1970 के नाम से कहे जाएं।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपक्ष में प्रकाशित होने की तारीख से लागू हो जाएंगे।
- प्रयुक्ति:---ये नियम इस के साथ लगी श्रनसूची के स्तम्भ 1 में उल्लिखित श्रनमुसचिवीय श्रेणीन्तीन पदों में भरती के लिये प्रयक्त होंगे।
- 3. वर्गीक्षरण, बेतन्सान भरती का तरी ा, ब्रायु सीमा, ब्रह्मंगएं ब्राहि:—उक्त पदों का वर्गीः करण, उनके वेतनमान, भरती का तरीका, श्रायु सीमा, ब्रह्मंतग्एं श्रीर उनसे संबंधित श्रन्य गर्ने वहीं होंगी जो उक्त ब्रनुसूची के स्तंभ 2—13 में उल्लिखित हैं।
- 4. **प्राहंताएं**:——जिस व्यक्ति ने (क) किसी ऐसे व्यक्ति के माथ विवाह कर लिया है प्रथवा विवाह के लिये करार कर लिया है जिसक/।जिसकी एक पति/परनी जीवित है, प्रथवा (ख) एक पति/पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया है प्रथवा विवाह के लिए करार कर लिया है, वह नौकरी में नियुक्ति का पान नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार किसी भी व्यक्ति को इस नियम की प्रयक्ति से श्रवमुक्त कर सकती है यदि वह इस बात से संतुष्ट हो जाए कि यह विवाह उस व्यक्ति और विवाह से संबंधित श्रन्य पक्ष पर लागू व्यक्तिगत कानून के ग्रधीन श्रनुमेय है, और ऐसा करने के लिए श्रन्य कारण भी हैं।

5. **शिथिली ४ रण का श्रिकि कार**:— अहां केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना श्रावण्यक श्रथवा उचित है तो वह, श्रादेश जारी करके, कारणों को लिख कर बताते हुए, किसी भी वर्ग श्रीर श्रेणी के व्यक्ति के संबंध में, किसी भी उपबन्ध का शिथिलीकरण कर सकती है।

श्रन्-सिचाई बायोग (सिचाई बीर विद्युत मंत्रालय) में अणी तीन बराजपत्रित पहों के िए वर्गीकरण सीधी सीधी भरती क्या सीधी पद का नाम पद वेतनमान क्या पद के लिए श्रपे-की चयना-भरती भरती के संख्या त्मक है के लिए क्षित शिक्षा लिए निर्धा-सम्बंधी तथा रित श्राय प्रथवा ग्राय ग्रीर भ्रन्य श्रहीताएं शिक्षा ग्रचय-संबंधी ग्रर्ह-नात्मक पदो-ताएं भ ति प्राप्त करने वालों पर लाग होंगी 1 3 5 6 7 2 4 8 म्० 210- भ्रप्रयोज्य भ्रप्रयोज्य 1. ग्रन्वेषक **भ्रप्रयो**ज्य ग्रप्रयोज्य सामान्य (इन्बैस्टि-केन्द्रीय सेवा. 10-290-गेटर) श्रेणी-तीन, 15-320-श्रराजपत्नित, द०रो०-15 (भ्रननुसचि--425वीय)

सूची'

भती के जियम

परिवीक्षा के भरती का तरीका—क्या लिए तरीका/ भरती सीधी भरती द्वारा श्रवधि यदि अथवा पदोन्नति द्वारा श्रथवा कोई है प्रतिनियुक्ति/पदान्तरण द्वारा होगी श्रौर विभिन्न तरीकों द्वाराभरी जाने वाली रिक्ति-यों की प्रतिशतता

यदि भग्नी पदोन्नति/ यदि पदोप्रतिनियुक्ति/पदान्तरण स्नि की कोई
डाराकी जानी हैं तो उन विभागीय
ग्रेडों के नाम जिनसे समिति है तो
पदोन्नति/प्रतिनियक्ति/ उस की

पदान्तरण किया जाना अनावट

प्तति की कोई जिन में संघ विभागीय लोक सेवा समिति है तो ग्रायोग की, उस की भरती करने बनावट मे, सलाह ली जानी है

परिस्थितियां

9

10

11

है

12

13

ग्रप्रयोज्य

प्रतिनियुषित पर पद्यान्तरण

द्वारा :

केन्द्रीय सरकार के विभागों के वे अन्वेषक अथवा तकनीकी लिपिक जो निम्नलिखित श्रहेताएं रखते हैं:---

म्ननिवार्यः

- (1) अर्थशास्त्र अथवा गणित अथवा सांख्यिकी में स्नातक की उपाधि।
- (2) सांख्यिकीय आंकड़ों के एकत्नण/संकलन में कम से कम एक वर्ष का अनुः भव। (प्रतिनियुक्ति की

भ्रप्रयोज्य श्र**प्रयोज्य**

1 **2** 2 4 5 6 **7** 8

प्रवर 2 सामान्य ६० २० ५० अथ्रयोज्य अप्रयोज्य (सीनियर श्रेगी-तीन, 8-280 अप्राज्यित, (अननुमिचि वीय)

3. अनुरेखक 1 केन्द्रीय सार ६० 110- श्रप्रयोज्य श्रप्रयोज्य अप्रयोज्य अप्यय अप्रयोज्य अप्रयोज्य

10

11

12

13

श्रप्रयोज्य

प्रविध — मार्च, 1971 के म्रंत तक, परंसु यह भ्रविध बढ़ सकती है यदि श्रामोग की कार्याविध उस तारीख से भ्राग बढ़ गई)

श्रप्रयोज्य

प्रतिनियुक्ति पर पदान्तरण द्वाराः

केन्द्रीय सरकार के विभागों के वे प्रवर प्रारूपकार जो निम्नलिखित ग्रर्हताएं रखते हैं:—

स्रिवार्य

उस ग्रेड में तीन वर्ष की सेवा के साथ, किसी मान्यता-प्राप्त संस्थान से प्रारूप-कारिता (सिविल) श्रथवा श्रोवरसियर के पाठ्यक्रम में डिप्प्लोमा। (प्रतिनियुक्ति की श्रवधि ——मार्च, 1971 के श्रंत तक, परन्तु यह श्रवधि बढ़ सकती है यदि श्रायोग की कार्यावधि उस ता-रीख से श्रागे बढ़ गई।)

ग्रप्रयोज्य

प्रतिनियुक्ति पर पद्यान्तरण द्वारा :

नेंद्रीय सरकार के विभागों के द्रेसर के ग्रेड में काम कर रहे वे कर्मचारी जो निम्नलिखित शर्हताएं रखते हैं:-- **श्रप्रयो**ज्य

ग्रप्रयोज्य

भ्रम्भोज्य

тне (GAZETT	E OF IND	IA: AUGU			NA 24, 1892	PAR
1	2	3	4	5	6	7	

11

12

13

प्रनिवार्यः

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय श्रथवा बोर्ड से
मैद्रिकुलेशन श्रथवा समकक्ष, और किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से
श्रहता-प्राप्त ट्रेसर श्रथवा
ड्राफ्ट्समैन के इन्टरमीडियेट पाठ्यक्रम में डिप-

वधिनीय :

मुलेखी हो और ट्रेसर्का एक वर्ष का अनुभव रखता हो। (प्रतिनियु-क्ति की अम्बधि—मार्च, 1971 के अन्त तक, परन्तु यह मबधि बब्द सकती है यदि सायोग की कार्यावधि उस तारीख से सामे बढ़ गई)।

[सं० एफ० वि० का०—दो-28(98)/69]

के० बी० राम राव, उप सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 15th August 1970

- G.S.R. 1175.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—
- 1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 53rd Amendment Rules, 1970.
- 2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, for Serial No. 45 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—
 - "45 Articles made of Stainless steel-

(i)	Utensils	other	than	copper	bottomed
	utensils :	made o	ut of 20) to 26 ST	WG Stain-
	less stee	l sheeta	g.		

- (ii) Hospital ware such as kidney trays, bed pans and sputum mugs made out of 20 to 26 SWG Stainless steel sheets.
- (iii) Watch straps.
- (iv) Cutlery made of sheets.
- (v) Surgical instruments.
- (vi) Copper bottomed utensils.
- (vii) Others-
 - (a) If made out of sheets.
 - (b) If not made out of sheets.

Rs. 8.15 per Kg.

Rs. 8.15 per Kg.

Rs. 2.61 per Kg.

Rs. 6.96 per Kg.

Rs. 1.56 per Kg.

Rs. 7.00 per Kg.

Rs. 6.96 per Kg. Rs. 1.09 per Kg."

[No. 62/F. No. 600/3/70-DBK.]

V. R. SONALKAR, Dy. Secv.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व श्रीर बीमा विभाग)

सीमा शुल्क भ्रौर केन्द्रीय उत्पाद शल्क

नई दिल्ली, 15 श्रगस्त, 1970

सा० हा० दि० 1175 - सीमा शल्क प्रधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) ग्रीर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रीर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क ग्रीर केन्द्रीय उत्पाद-शल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम 1960 में ग्रीर ग्रागे संशोधन करने के लिए एतव्हारा निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रर्थात् :—

 ये नियम सीमा शुल्क श्रीर केन्द्रीय-उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 53वां संगोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे। 2. सीमा शुल्क भौर केन्द्रीय उत्पाद शल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम 1960 की प्रथम भ्रनसूची में अप सं 45 भीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया आएगा प्रथात :--

45 स्टेनलैस इस्पात की बनी वस्तूएं ---

(i)	20 से 26 एस० डब्लू० जी	o स्टेनलैंस इस्पात चादरों
. ,	से बने तांबे की पैदी वाले बर्त	

8. 15 रुपये प्रति किलोग्राम

(ii) 20 से 26 एस० डब्ल जी० स्टेनलैंस इंस्तपात **भादरों** से बना ग्रस्पताल का सामान जैसे कि किडनी दे बैंड पैन भौर स्पृटम मग ।

8.15 ६० प्रति कि०

ग्राम

(iii) घडियों के फीते

2 61 रु० प्रति किलो-

(iv) चादरों से बनी कटलरी

 96 হ৹ সিরি কি৹ ग्राम

(V) शल्य चिकित्सा के श्रौजार

1.56 ६० प्रति किलो-

(Vi) तांबे की पैदी वाले बर्तन

7 00 रू प्रति किली-ग्राम

(vii) ग्रन्य:---

(क) यदि चादरों से बने हों तो

6. 96 प्रति किला गा०

(ख) यदि चादरों से न बने हों तो

1.09 ए० प्रति किलो-

ग्राम

[सं 0 62/एफ 0 सं 0 600/3/70-डी बी के.]

वि० रा० सोनालकर, उप सचिव ।